

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: बीफ बॉस :

4 राज्यों में उपचुनाव का ऐलान, 6 अक्टूबर को वोटिंग



नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की विधानसभा सीटों और असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इन सीटों पर 6 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे और 9 अक्टूबर को नतीजे आएंगे।

कमिशन के मुताबिक, चुनाव की औपचारिक गजट अधिसूचना 9 सितंबर 2026 को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। वोटिंग 6 अक्टूबर को होगी। नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे। पूरी प्रक्रिया 11 अक्टूबर 2026 से पहले पूरी कर ली जाएगी। चुनाव से जुड़े जिलों में आचार संहिता लागू हो गई है। शिलॉन (मेघालय) और बशीरहाट (पश्चिम बंगाल) लोकसभा सीटों की तारीख घोषित नहीं हुई है। इस साल फरवरी में वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी (वीपीपी) के सांसद रिकी एंड्रयू जे. सिंगकान के निधन के बाद शिलॉन सीट रिक्त हो गई थी।

बंगाल भाजपा अध्यक्ष बोले- हमारा खाना बाहरी तय नहीं करेगा



कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में लोग अपनी पसंद का खाना खाने के लिए स्वतंत्र हैं। किसी बाहरी धार्मिक व्यक्ति या राजनीतिक दल को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि लोग क्या खाएँ या क्या पहनें। बंगाल में मां काली को बकरे के मांस का भोग भी लगाया जाता है। दरअसल, हाल ही में हावड़ा दौरे के दौरान भागेश्वर धाम प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों से दुर्गा पूजा के दौरान नॉनवेज खाना छोड़ने की अपील की थी। उन्होंने त्योहार के दौरान नॉनवेज खाने वाले लोगों को पाखंडी बताया था। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कोलकाता में 4 से 6 सितंबर तक हनुमंत कथा किए थे।

बंगाल में दुर्गा अष्टमी पर शराब बिक्री बंद

पूजा के बाद होने वाले मेले को भी रद्द किया



कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को इस साल की दुर्गा पूजा के लिए कई नए निर्देशों की घोषणा की। इसमें महाअष्टमी पर शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध और विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध शामिल है।

प्रशासन ने पूजा के बाद होने वाले मेले को भी रद्द कर दिया है। यह आयोजन पूर्व सीएम ममता बनर्जी के कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था।

विसर्जन जुलूस में डीजे नहीं बजाया जाएगा: शुभेंदु ने कहा कि विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे की अनुमति नहीं होगी और पूजा समितियों से आग्रह किया कि वे लक्ष्मी पूजा से पहले मूर्तियों का विसर्जन पूरा कर लें। इस वर्ष लक्ष्मी पूजा 25 अक्टूबर को है। अधिकारी ने कहा, मैं सभी से आग्रह करूंगा कि वे मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया एक दिन पहले तक पूरी कर लें।

जेन-जी पीएम बोले रेल कॉरिडोर देखकर फूफाजी नाराज हो जाएंगे

पुरानी सरकार 10 साल में 50 हजार टॉयलेट नहीं बना सकी थी, हम चिप से शिप तक बना रहे

वडोदरा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। मोदी के कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। उन्होंने कहा कि पहलों की सरकार ने विकास को कभी गति नहीं दी। पुरानी सरकार 10 साल में 50 हजार टॉयलेट नहीं बना सकी थी, हम चिप से शिप तक बना रहे हैं। यूपीए सरकार ने विकास को रोक दिया था। यहां का फ्रेंट कॉरिडोर इसका उदाहरण है। यहां का रेल कॉरिडोर देखकर फूफाजी नाराज हो जाएंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए खास तौर पर Y आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले पीएम रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। एक स्टूडेंट ने उन्हें तस्वीर भी गिफ्ट की।

वडोदरा शहर में स्वच्छता से स्वागत अभियान चलाया... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज मैं विकसित भारत की यात्रा को और गति देने के लिए आपके बीच आया हूँ। अभी जो देश के विकास से जुड़े हजारों करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। मैं देश की जनता को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। इस विकास पूर्व पर आप सभी ने जिस सेवा भाव से और सेवा भाव के साथ, पूरे वडोदरा शहर में स्वच्छता से स्वागत अभियान चलाया है।

पीएम मोदी पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका

2019 का समन रद्द करने से इनकार

मुंबई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 2018 में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने 2019 में मजिस्ट्रेट अदालत की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ जारी किए गए समन को रद्द करने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति एन आर बोरकर की एकल पीठ ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने गिरांगव मजिस्ट्रेट की ओर से 28 अगस्त 2019 को जारी आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश के तहत उनके खिलाफ मानहानि की शिकायत पर कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए थे।

कोर्ट को आदेश में नहीं मिली कोई खामी: हाईकोर्ट ने कहा कि उसे

मजिस्ट्रेट की ओर से दिए गए आदेश में ऐसी कोई 'कानूनी गलती या विकृति' नहीं मिली, जिसके आधार पर अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए। न्यायमूर्ति बोरकर ने कहा कि आदेश में कोई खामी नहीं है और इसलिए राहुल गांधी की याचिका खारिज की जाती है। हालांकि, हाईकोर्ट ने अपने नवंबर 2021 के उस आदेश को जारी रखा, जिसमें मजिस्ट्रेट अदालत को मानहानि की शिकायत पर सुनवाई छह सप्ताह के लिए टालने का निर्देश दिया गया था।



दिल्ली पीजी हादसा: राजधानी की सभी इमारतों की जांच होगी

» 28 लाख में सिर्फ 19 बिल्डिंग खतरनाक मिली थीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे के बाद नगर निगम (MCD) ने पूरी दिल्ली में इमारतों की जांच के आदेश दिए हैं।

एमसीडी ने सभी जोन के एंजीक्यूटिव इंजीनियरों (बिल्डिंग) से अपने क्षेत्र की इमारतों का निरीक्षण कर 10 सितंबर तक रिपोर्ट देने को कहा है। सत्य निकेतन में रविवार को एक बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी और 6 लोग घायल हुए थे। इसी हादसे के बाद यह आदेश जारी किया गया है। जांच के दौरान जुटाई गई

एमसीडी ने 3 दिन में रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे के बाद नगर निगम (MCD) ने पूरी दिल्ली में इमारतों की जांच के आदेश दिए हैं।

एमसीडी ने सभी जोन के एंजीक्यूटिव इंजीनियरों (बिल्डिंग) से अपने क्षेत्र की इमारतों का निरीक्षण कर 10 सितंबर तक रिपोर्ट देने को कहा है। सत्य निकेतन में रविवार को एक बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी और 6 लोग घायल हुए थे। इसी हादसे के बाद यह आदेश जारी किया गया है। जांच के दौरान जुटाई गई

हादसे के 3 आरोपी गिर तार, दंपती 14 दिन की रिमांड पर...

पुलिस के मुताबिक, सत्य निकेतन में पांच मंजिला बिल्डिंग गिरने के मामले में प्रॉपर्टी मालिक उर्मिला गुप्ता, उनके पति हरिराम गुप्ता और बेटे महेश गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है।

संचालन उनके पति और बेटे के पास था। सोमवार रात इन तीनों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया।

जस्टिस भव्य खराल ने हरिराम और उर्मिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में, जबकि महेश को 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

महिला के घर में घुसना, कपड़े उठाना रेप की कोशिश नहीं

● झारखंड हाईकोर्ट ने आरोपी को दी राहत ● कहा 4 साल नहीं 8 महीने की सजा पर्याप्त

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने दुर्कर्म के प्रयास के करीब 27 साल पुराने मामले में आरोपी की दोष सिद्धि बरकरार रखते हुए सजा में बड़ी राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि रात में महिला के घर में घुसना, उसे पकड़ना, कपड़े उठाना या उसके साथ अशोभनीय हरकत करना गंभीर अपराध है, लेकिन हर ऐसी हरकत को स्वतः दुर्कर्म का प्रयास नहीं माना जा सकता।

दुर्कर्म के प्रयास का अपराध तभी बनता है, जब आरोपी की ओर से ऐसा प्रत्यक्ष और निर्णायक कृत्य किया गया हो, जो दुर्कर्म को अंजाम देने की दिशा में स्पष्ट रूप से आगे बढ़ रहा हो।

जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने घाटशिला से जुड़े कमलेंद्र महतो उर्फ खोका की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने मामले में आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध माना और आरोपी को पहले सुनाई गई 4 साल की सजा के बजाय 8 महीने की सजा को पर्याप्त माना।

वहीं पड़ोसी प्रफुल्लो कुमार सिंह, परी सिंह, बुधी सिंह, अनंतो सिंह समेत अन्य गवाहों ने पीड़िता की आवाज और शोर सुनने तथा आरोपी को उसके घर से भागते देखने की बात कही।

आरोपी को भागते देखा, घटना किसी ने नहीं देखी... हाईकोर्ट ने मामले में पेश किए गए गवाहों के बयानों का भी बारीकी से विश्लेषण किया। पीड़िता के भाई ने अदालत को बताया कि उसे घटना की जानकारी अपनी बहन से मिली थी। वह घटना का प्रत्यक्षदर्शी नहीं था।

किसी भी अन्य गवाह ने घटना को अपनी आंखों से नहीं देखा था। अदालत ने इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए माना कि आरोपी ने महिला की लज्जा भंग करने के इरादे से उस पर हमला किया था। इसलिए उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध बनता है। हालांकि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दुर्कर्म के प्रयास की धारा को उसी रूप में कायम रखना उचित नहीं माना गया।



सैटेलाइट तस्वीरों में देश से 90% बादल गायब बिहार में बाढ़ से 27 लाख लोग प्रभावित

महाराष्ट्र के अंबोली में चेरापूंजी से ज्यादा बारिश

कमजोर होने का संकेत है। हालांकि, मानसून की अधिकारिक वापसी अभी शुरू नहीं हुई है। बादलों की इस कमी को अल नीनो के प्रभाव यानी समुद्र के गर्म होने से मौसम में हो रहे बड़े बदलावों से जोड़कर देखा जा रहा है। बिहार में बादलों की कमी ज्यादा दिखाई दे रही है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, यह मानसून की गतिविधि

सर्वे में 27 लाख 84 हजार 286 इमारतों का सर्वे किया गया, जिनमें से केवल 19 खतरनाक पाई गई थीं।

पुलिस ने बताया कि प्रॉपर्टी उर्मिला गुप्ता के नाम पर रजिस्टर्ड है, लेकिन इसका प्रबंधन और

सर्वे में 27 लाख 84 हजार 286 इमारतों का सर्वे किया गया, जिनमें से केवल 19 खतरनाक पाई गई थीं।

पुलिस ने बताया कि प्रॉपर्टी उर्मिला गुप्ता के नाम पर रजिस्टर्ड है, लेकिन इसका प्रबंधन और

ब्रिस देश डिजिटल करेंगी से कारोबार की तैयारी में, छोटे कारोबारियों को बड़ी राहत

बिना कुछ गिरवी रखे ब्रिस देशों में कारोबार कर पाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ब्रिक्स समिट के दौरान डिजिटल करेंसी को आपस में जोड़ने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। चीन और रूस, भारत के साथ मिलकर इसका ट्रायल करेंगे।

इसका मकसद ब्रिक्स देशों के बीच कारोबार में अमेरिकी डॉलर जैसी किसी तीसरी करेंसी पर निर्भरता कम करना है। यानी देश आपस में सीधे अपनी-अपनी करेंसी में पेमेंट कर सकें। हालांकि कोई

नई साझा करेंसी शुरू नहीं की जाएगी। सिस्टम में भारत का डिजिटल रुपया, चीन का डिजिटल युआन और रूस का डिजिटल रूबल एक साझा

भारत को इससे या फायदा होगा... इस व्यवस्था से करेंसी बदलने का खर्च, बैंकिंग चार्ज और पेमेंट सेटल होने में लगने वाला समय कम हो सकता है। भारत और रूस के बीच अपनी-अपनी करेंसी में कारोबार पहले ही बढ़ रहा है।

क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सिस्टम से जुड़ेंगे। इसके साथ ही भारत के PI, चीन के CIPS और रूस के SPFS जैसे मौजूदा पेमेंट सिस्टम को भी आपस में जोड़ने की तैयारी है।



ट्रप को रेयर-अर्थ मिनरल नहीं भेज पा रहा पाकिस्तान

बलूच हमलों से अमेरिकी कंपनी का काम बंद

» मुनीर ने वॉशिंगटन में दिखाए थे सैंपल

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ड्रीम प्रोजेक्ट अटक गया है। पाकिस्तान से रेयर अर्थ मिनरल (दुर्लभ खनिज) की अगस्त में प्रस्तावित खेप अमेरिका नहीं भेजी जा सकी। इसके बाद कराची और इस्लामाबाद में अमेरिकी कंपनी के दफ्तरों में काम बंद हो गया है।

पाकिस्तान में रेअर अर्थ मिनरल की ज्यादातर खदानें बलूचिस्तान प्रांत में हैं। इन इलाकों में विद्रोही संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन

26 में मिनरल्स का निर्यात, 2027-28 में पाकिस्तान में मिनरल प्रोसेसिंग और 2029 में बड़े पैमाने पर खनन शुरू करने की योजना थी।

रेयर अर्थ मटेरियल 17 रासायनिक तत्वों का समूह है। इनका इस्तेमाल कंप्यूटर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री उपकरणों तक में होता है। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और कई आधुनिक तकनीकों में इनकी अहम भूमिका है। इनका इस्तेमाल आईटी, कैमिकल और ऑयल रिफाइनिंग जैसी इंडस्ट्रीज में भी होता है। आधुनिक तकनीक और हाई-टेक उपकरणों में इनकी मांग लगातार बढ़ी हुई है।

आर्मी (BLA) का दबदबा है। बलूच हमलों से अमेरिकी कंपनी के लिए काम करना मुश्किल हो गया है। विद्रोहियों ने चांगई जिले में रेको दिक खदान तक जाने वाली सड़कों को जाम कर दिया है। पिछले साल अक्टूबर में अमेरिका भेजी गई पहली खेप में एंटीमनी, कॉपर कॉन्सन्ट्रेट, नियोडिमियम और प्रेजोडिमियम जैसे खनिज शामिल थे। इस प्रोजेक्ट के तहत 2025-



डॉटर को मारने वाले शिवसेना पार्षद की जमानत पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट बोला- हालात बदतर हुए, ऐसे लोग सड़कों पर नहीं घूमना चाहिए

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र में डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों से मारपीट के एक केस में सुनवाई की। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा- ऐसे हमले कानून-व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर मुद्दा बन रहे हैं। इन लोगों को सड़कों पर घूमने का हक नहीं है। मामला डॉक्टरों के नगर निगम अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों से शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे की मारपीट से जुड़ा है।

अस्पताल में कोई बेड खाली नहीं था। इसलिए डॉक्टरों ने मरीज को दूसरे अस्पताल जाने का। नाराज लोगों ने शिवसेना पार्षद रमेश को अस्पताल बुला

कोर्ट ने पार्षद के वकील से पूछा- इसे सही कैसे ठहरा सकते हैं... सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पालघर में डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर हुए एक नए हमले का भी जिक्र लिया। बेंच ने कहा, कल एक और घटना हुई। वही लोग फिर डॉक्टरों पर हमला कर रहे हैं।

लिया, जहां उन्होंने मारपीट की।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें म्हात्रे और अन्य आरोपियों को जमानत देने के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है।

बेंच ने म्हात्रे और अन्य आरोपियों को नोटिस जारी किया है। उन्हें जवाब देने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया



कोर्ट ने पार्षद के वकील से पूछा- इसे सही कैसे ठहरा सकते हैं... सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पालघर में डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर हुए एक नए हमले का भी जिक्र लिया। बेंच ने कहा, कल एक और घटना हुई। वही लोग फिर डॉक्टरों पर हमला कर रहे हैं।

मणिपुर में 24 हजार से अधिक अवैध प्रवासियों की पहचान

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदस कोथोजाम ने सोमवार को कहा कि राज्य में 24,475 अवैध प्रवासियों की पहचान की गई है। इनमें से 14,992 लोग पड़ोसी देश म्यांमार लौट चुके हैं, जबकि 9,453 लोग अभी राज्य के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं। उन्हें अस्थायी शिविरों में रखा गया है। हालांकि, मंत्री ने यह जानकारी नहीं दी कि अवैध प्रवासियों की पहचान किस अवधि के दौरान की गई।

विधानसभा में एक प्रश्न के उत्तर में कोथोजाम ने बताया कि कामजोंग जिले में 6,545, तेंतोनौपाल में 3,560 और चंदेल जिले में 14,370 अवैध प्रवासियों की पहचान की गई।

मणिपुर विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हुए 9 नगा विधायक: नगा समुदाय के छह लोगों की हत्या के विषय में नगा समुदाय के नौ विधायक सोमवार को विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हुए। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के छह लोगों की कुछ महीने पहले हत्या कर दी गई थी।

विज्ञापन हटाईसर्फ खबर पढ़ें... नगा पीपुल्स फ्रंट के नेता अवांगबो न्युमई ने कहा कि नगा विधायकों ने सोमवार की कार्यवाही का बहिष्कार करने का फैसला किया, क्योंकि कांगपोकपी में हुई हत्याओं में अब तक न्याय नहीं मिला है।

आरोप है कि छह नगा नागरिकों का 13 मई, 2026 को अपहरण कर लिया गया था। सुझा बलों की संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान 10 जून को उनके शव बरामद किए गए। अपहरण के करीब एक महीने बाद उनके शव मिले।



संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में जिला पंचायत सीईओ के लिए गांवों का निरीक्षण करना अनिवार्य

मंत्री ईश्वर खांडे का एलान



बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खांडे ने सोमवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के लिए गांवों का नियमित निरीक्षण करना अनिवार्य कर दिया। जिला पंचायत के सीईओ को सप्ताह में कम से कम दो दिन चार से पांच गांवों का औचक दौरा करने का निर्देश दिया गया है। विभाग के सचिव को लिखे निर्देश में खांडे ने कहा कि सीईओ बिना पूर्व सूचना के ग्राम पंचायतों का दौरा करें, कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच करें, पंचायत विकास अधिकारियों और तालुक कार्यपालक अधिकारियों के कामकाज का जायजा लें, लोगों की शिकायतें सुनें और उनमें से कुछ शिकायतों का मौके पर ही समाधान करें। खांडे ने कहा कि राज्य की 6.13 करोड़ आबादी में से 4.45 करोड़ लोग 26,589 गांवों में रहते हैं। इसलिए जिला पंचायत के सीईओ को ग्रामीण विकास पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल, बेहतर सड़कें, स्वच्छता और रोजगार सुनिश्चित करने से गांवों से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी, शहरी क्षेत्रों पर दबाव कम होगा और ग्रामीण विकास को गति मिलेगी।

त्रिपुरा में दो संदिग्ध हथियार तस्कर गिरफ्तार, पिस्तौल और कारतूस बरामद



अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा पुलिस और असम राइफल्स ने बिहार से अगरतला आए हथियारों के दो संदिग्ध डीलरों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि जब त्रिपुरा पुलिस के जवान रविवार रात अगरतला-खावाई रोड पर शालबगान इलाके में गाड़ियों की चेकिंग कर रहे थे, तो उन्हें असम राइफल्स से जानकारी मिली कि दो लोग डेमडोमिया से अगरतला की ओर पैदल आ रहे हैं और उनके पास अवैध हथियार और गोला-बारूद हैं। शालबगान इलाके में एक ज्वाइंट ऑपरेशन में दोनों को रोका गया और हिरासत में ले लिया गया। तलाशी के दौरान, उनके पास से दो पिस्तौल, तीन मैगजीन और अन्य सामान बरामद किए गए। आरोपितों की पहचान सूरज कुमार और श्रीकांत कुमार के तौर पर हुई, जो क्रमशः बिहार के लखीसराय और वैशाली जिलों के रहने वाले हैं। वे बरामद हथियारों और गोला-बारूद को रखने के लिए कोई वैध लाइसेंस या कानूनी दस्तावेज नहीं दिखा पाए। इसके बाद हथियारों और गोला-बारूद को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

राजस्थान में निकाय चुनाव के लिए बेनीवाल और ओवेसी की पार्टी का गठबंधन

तीसरा विकल्प खड़ा करने का किया एलान



जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा चुनाव से करीब सवा दो वर्ष पूर्व एआईएमआईएम (आल इंडिया मजलिस-ए-इस्तेहादुल मुस्लिमीन) और आरएलपी (राष्ट्रीय लाकतांत्रिक पार्टी) ने चुनावी गठबंधन किया है। दोनों पार्टियों ने राज्य में भाजपा और कांग्रेस के मुकाबले में तीसरा राजनीतिक विकल्प तैयार करने की घोषणा की है। एआईएमआईएम के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी एवं आरएलपी अध्यक्ष, सांसद हनुमान बेनीवाल ने राजस्थान में तीसरे विकल्प की शुरुआत बताते हुए कहा कि अब राज्य में नई राजनीति होगी। बेनीवाल की जाट समाज के युवाओं में अच्छी पकड़ है। वहीं, ओवैसी लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में करने में जुटे हैं। उन्होंने प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक पार्टी की टीम गठित की है। बेनीवाल जाट समाज के करीब 10 फीसदी एवं ओवैसी मुस्लिम समुदाय के करीब 9 फीसदी वोटों के सहारे अपनी-अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं।

बिहार में नदियां उफान पर, उत्तराखंड-हिमाचल में भूस्खलन

महाराष्ट्र के अंबोली में हुई चेरापूंजी से ज्यादा बारिश

पटना, मुंबई, देहरादून, एजेंसी। उत्तर और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सक्रिय मानसून की स्थिति बनी रहने की संभावना है और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम का यह सिस्टम उत्तर प्रदेश के मध्य हिस्सों में बने कम दबाव वाले क्षेत्र मानसून ट्रफ और देश भर के मौसम पर असर डालने वाले कई अन्य वायुमंडलीय सिस्टम से प्रभावित हो रहा है। बिहार में नदियां उफान पर हैं, उत्तराखंड में पिछले एक हफ्ते से रुक-रुककर बारिश जारी है और कई जगहों पर भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश में शिमला-किन्नौर नेशनल हाईवे-5 पर भारी लैंडस्लाइड हुआ। इसके अलावा महाराष्ट्र के अंबोली में चेरापूंजी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, अगरस्त तक 250 इंच बारिश हो चुकी है और सितंबर तक 400 इंच तक पहुंचने की संभावना है।

कहां-कहां बारिश होने की संभावना है: मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम



बंगाल, ओडिशा और कई पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। यह चेतावनी उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में जोरदार बारिश के बाद जारी की गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 20 सेंटीमीटर से ज्यादा बहुत भारी बारिश दर्ज की गई, जिसमें बरेली में भी बहुत भारी बारिश हुई। उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में भी 12 से 20 सेंटीमीटर तक बहुत भारी

बारिश की खबर मिली है। कम दबाव का जो क्षेत्र पहले दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उससे सटे इलाकों में था, वह अब राज्य के मध्य हिस्सों में खिसक गया है। मौसम विभाग का कहना है कि मौसम की कई अन्य प्रणालियां भी हालात पर असर डाल रही हैं, जिनमें कम दबाव वाले क्षेत्र से जुड़ा एक ट्रफ, हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले दो पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर-पूर्वी बिहार तथा

असम के कुछ हिस्सों में चक्रवाती परिसंचरण शामिल है।

किन राज्यों के लिए जारी किया गया येलो अलर्ट

मंगलवार को बारिश की गतिविधियां मुख्य रूप से देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर हिस्सों में केंद्रित रहने की उम्मीद है। पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों सहित कई राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है वहीं, दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में मौसम का मिजाज कुछ अलग रहने की उम्मीद है। अगले कुछ दिनों तक प्रायद्वीप में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है। हालांकि, मंगलवार को केरल में गर्मी और उमस का दौरा जारी रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने तेलंगाना में तेज सतही हवाओं को लेकर भी चेतावनी जारी की है। कुछ इलाकों में हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है।

आने वाले दिनों में भारी बारिश का अनुमान

मौसम के व्यापक अनुमान से पता चलता है कि आने वाले दिनों में भारी बारिश का दौर पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की ओर बढ़ सकता है। 9 सितंबर तक, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों और पूर्वी मध्य प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी की जा सकती है। इसके बाद भी उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, केरल, पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। फिलहाल, बारिश वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के आखिरी दौर में कई मौसमी सिस्टम एक-दूसरे को प्रभावित कर रहे हैं।

उत्तराखंड के 11 हजार छात्रों को CM धामी की सौगात, मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग से संवरेगा भविष्य



देहरादून, एजेंसी। प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रतियोगी एवं प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब आर्थिक बाधा नहीं आएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विद्यार्थियों को निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग के लिए मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना को हरी झंडी दिखाई। इसके अंतर्गत हर वर्ष 11 हजार विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों एवं व्यावसायिक कोचिंग संस्थानों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण तैयारी कराई जाएगी। सोमवार को मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री ने युवाओं के साथ संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री धामी ने निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग योजना का किया उद्घाटन: योजना में संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग की तैयारी के लिए दो हजार विद्यार्थियों, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे, बैंकिंग सेवा एवं समकक्ष परीक्षाओं के लिए पांच हजार, रक्षा सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दो हजार, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, स्नातक अभियांत्रिकी अभिरुचि परीक्षा, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद तथा कनिष्ठ शोध

अध्येता जैसी परीक्षाओं के लिए एक हजार और प्रबंधन प्रवेश परीक्षाओं के लिए एक हजार विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

ऑनलाइन छंटनी परीक्षा से होगा विद्यार्थियों का चयन

योजना का लाभ लेने के इच्छुक विद्यार्थियों का चयन खुली ऑनलाइन छंटनी परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। विद्यार्थी निर्धारित पोर्टल पर आवेदन कर परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। परीक्षा में प्रदर्शन, योग्यता एवं निर्धारित पात्रता के आधार पर चयन होगा। मेधावी विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। ऑनलाइन कक्षाएं ही नहीं, डिजिटल अध्ययन से भी सहयोग: विद्यार्थियों को सीधे प्रसारित होने वाली कक्षाओं के साथ अभिलिखित व्याख्यान, डिजिटल अध्ययन सामग्री, विषयवार प्रश्न बैंक, नियमित ऑनलाइन परीक्षा, नमूना परीक्षा और परीक्षा प्रारूप आधारित अभ्यास की सुविधा मिलेगी। प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकन कर कमजोर विषयों में अतिरिक्त अभ्यास कराया जाएगा। **प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ देंगे मार्गदर्शन:** गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के लिए विभाग ने दिल्ली के स्टडी आईव्यू, लखनऊ के महेन्द्र प्राइवेट लिमिटेड और देहरादून के दूर द्रीमर्स जैसे संस्थानों का चयन किया है।

यमन में जेल पर सऊदी हमले का आरोप: बच्चे समेत सात की मौत

हूतियों का दावा-लेंगे बदला, तनाव यों बढ़ा

काहिरा, एजेंसी। यमन के उत्तरी हिस्से में सोमवार को एक जेल पर हमला हुआ। हूती विद्रोहियों ने आरोप लगाया कि यह हमला सऊदी अरब ने किया। हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हुई। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। कम से कम सात लोग घायल बताए गए हैं। घायलों में एक महिला भी है। हमला रणनीतिक रूप से अहम अल-जौफ प्रांत के हज्ज शहर में स्थित सेंट्रल करैक्टिव

फैसिलिटी पर हुआ। जेल की इमारत का एक हिस्सा हमले के बाद मलबे में बदल गया। जेल वार्डन के मुताबिक, 35 कैदी और पति से मिलने आई एक महिला मलबे में फंसे थे।

हूतियों ने सऊदी अरब पर क्यों लगाया आरोप: हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल-असबही ने सऊदी अरब पर हमले का आरोप लगाया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने भी सऊदी अरब पर हवाई हमले करने और जौफ में 'नरसंहार' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने एक निगरानी ड्रोन भी

तैनात किया और भाड़े के लड़ाकों को अलग-अलग हथियार मुहैया कराए। सारी ने कहा, 'यमन के खिलाफ जारी सऊदी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा और उसे सजा मिलेगी।' सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

क्या पहली बार हुआ जेल पर हमला: नहीं। यमन युद्ध के दौरान जेलों और हिरासत केंद्रों पर पहले भी हमले हुए हैं। 2022 में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के एक हमले में उत्तरी सादा प्रांत की एक हिरासत सुविधा निशाना बनी थी। इसमें कम से कम 87

कैदियों की मौत हुई थी और करीब 266 लोग घायल हुए थे। सितंबर 2019 में दक्षिण-पश्चिमी धमर प्रांत में हूतियों द्वारा संचालित हिरासत केंद्र पर हमला हुआ था। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों घायल हुए थे।

यमन में गृहयुद्ध की शुरुआत कैसे हुई और हालात क्यों बिगड़े: यमन में गृहयुद्ध 2014 में शुरू हुआ। तब हूती विद्रोही अपने उत्तरी गढ़ से आगे बढ़े और राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। फिर सऊदी अरब में निर्वासन के लिए जाना पड़ा।

लेबनान में इस्राइली हमले में 12 की मौत: हूती लड़ाकों का दावा- सऊदी विमान गिराया; प. एशिया में क्या हैं हालात

दुबई, एजेंसी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी इलाके के एक गांव पर इस्राइली हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत हुई है। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। इस बीच, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के एक टोही विमान को मार गिराने का दावा किया है। पिछले हफ्ते सऊदी अरब के एक टैंकर पर हमला हुआ था। उसके चालक दल के सात सदस्य अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इस्राइल ने सोमवार तड़के दक्षिणी लेबनान के कफर रुमान गांव पर हवाई हमले किए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई। इनमें एक पैरामेडिक, चार महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं।

आईडीएफ ने हमला क्यों: यह हमला इस्राइल और ईरान समर्थित हिजबुल्ला के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला के कई लड़ाकों को निशाना बनाया। सेना के अनुसार, ये लोग कफर रुमान में हथियार पहुंचा रहे थे। सेना ने यह भी कहा कि वह इस दावे की जांच कर रही है कि रात के हमलों में कई आम लोग घायल हुए। इस्राइल के अनुसार, ये हमले हिजबुल्ला के उन लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने इलाके में



सैनिकों पर विस्फोटक ड्रोन से हमला किया था। **हूती विद्रोही ने क्या दावा किया:** ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने उत्तरी यमन में सऊदी अरब का एक सशस्त्र टोही विमान मार गिराया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि विमान जौफ प्रांत के हवाई क्षेत्र में देखा गया था। उनके अनुसार, यह सऊदी अरब का विमान था और कथित तौर पर 'दुश्मनी की कार्रवाई' के लिए वहां आया था।

इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। सऊदी अरब की ओर से भी तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

कितने ड्रोन मार गिराने का दावा: हूती प्रवक्ता ने कहा कि पिछले 24 घंटे में सऊदी अरब के कुल तीन टोही ड्रोन मार गिराए गए हैं। इनमें से एक सोमवार सुबह बायदा प्रांत में देखा गया था।

यमन की सेना ने क्या कहा यमन की ससरकी सेना ने सोशल मीडिया पर कहा कि

उसने दहले प्रांत में हूती लड़ाकों के ठिकानों को निशाना बनाया। सेना के अनुसार, उसने बायदा प्रांत में हूती ठिकानों और मिसाइल दागने वाले अड्डे पर 13 हवाई हमले किए। मारिब प्रांत में भी हूती ठिकानों पर हमले किए गए। हूती विद्रोहियों की सेना ने इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

संयुक्त राष्ट्र ने क्या चेतावनी दी: यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रुंडबर्ग ने हूतियों के कई मोर्चों पर लड़ाई बढ़ाने को बेहद चिंताजनक बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इसका असर यमन के आम लोगों पर भी पड़ सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर यूएई ने क्या कहा: संयुक्त अरब अमीरात के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि किसी एक देश को होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं करना चाहिए। ईरान ने कहा कि वह वह इस जलमार्ग के पास एक नया 'प्रतिबंधित क्षेत्र' घोषित करने की योजना बना रहा है। इसका मकसद वहां से गुजरने वाले जहाजों को रोकना बताया गया है। यूएई के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार अनवर गराशा ने अबू धाबी में विश्व नेताओं के एक सम्मेलन में यह बात कही।

ईरान को लेकर यूएई की चेतावनी क्या

नेपाल जलप्रलय: 65 स्कूल आज से खुलेंगे

बच्चों को सदमे से निकालने की कोशिश; देश में 13वें दिन शोक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जल प्रलय के दो हफ्ते पूरे होने वाले हैं लेकिन नुवाकोट, रसुवा और आसपास के जिलों में जिन बच्चों ने बाढ़ का तांडव देखा या अपनों को खोया, वे एक अदृश्य डर से जूझ रहे हैं। तो कोई आपदा की याद दिलाने वाली किसी भी आवाज से सहम जाता है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को फिर से बसाने की कवायद के बीच इन बच्चों को सदमे से बाहर लाने की कोशिशें भी जारी हैं। मेडिकल टीमें मानसिक सेहत सुधारने के लिए काउंसलिंग भी करा रही है। नुवाकोट के विधुर में प्रशासन बुधवार से 65 स्कूलों को खोलने की तैयारी भी कर रहा है। बाढ़ से पहले बिदुर में कुल 79 स्कूल चल रहे थे। बिदुर की डिट्टी मेयर प्रभा बांगटी ने कहा, स्कूल इस बात का बंदोबस्त करेंगे कि वे आसानी से अपनी कक्षाओं में शामिल हो सकें। इस बीच, आपदा के 13वें दिन नेपाल में राष्ट्रीय शोक मनाया गया। **चुनौतीपूर्ण, अनौल्टड को याद आया सिलक्यारा:** 2023 में भारत में सुरुंग से 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाने वाले ऑस्ट्रेलियाई सुरुंग विशेषज्ञ अनौल्टड डिक्स चिलिमे जलविद्युत परियोजना की सुरुंग में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

उन्होंने कहा, नेपाल का अभियान सिलक्यारा से अधिक चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यहां एक साथ कई स्थानों पर बचाव कार्य चल रहा है।

भारत के सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस का खतरा: महाराजगंज, कुशीनगर समेत कई सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ जैसे हालात के कारणमादा क्यूलेक्स मच्छर के पपपने और अंडों को सुरक्षित रखने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। नेपाल आपदा ने भारत के पूर्वी सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए जमीन तैयार कर दी है। अगर निवारक उपायों की दिशा में मजबूत कदम नहीं उठाए गए तो लोगों को दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आपदा से महाराजगंज और कुशीनगर समेत कई इलाकों में महीनों दल-दल बने रहने की संभावना है।

है: गराशा ने कहा कि यूएई के ऊर्जा निर्यात को रोकना नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बंधक नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर ईरान जलडमरूमध्य में तेल टैंकरों और दूसरे व्यापारिक जहाजों को बारूदी सुरंगों, ड्रोन या मिसाइलों से धमकाता है, तो उसे इसका खासियाजा भुगतना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग का दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल करना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ईरान और खाड़ी देशों के संबंध कैसे हैं: यूएई अमेरिका का करीबी सहयोगी है। युद्ध के दौरान ईरान की ओर से उस पर कई बार मिसाइल और ड्रोन हमले हो चुके हैं। गराशा ने चेतावनी दी कि ईरान और खाड़ी देशों के बीच भरोसा फिर से बनाने में कई दशक लग सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अपने पड़ोसी देशों को निशाना बनाकर ईरान ने भरोसे की भावना को खत्म कर दिया है।

सऊदी टैंकर के चालक दल का क्या हुआ: ओमान ने बताया कि उसने सऊदी अरब के एक टैंकर के 16 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाला है। इस टैंकर पर पिछले हफ्ते होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला हुआ था।

चौका-बर्तन से खेत तक का सफ़र, जैविक सब्जी उत्पादन ने बदली उर्मिला की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली विकासखंड की ग्राम पंचायत पांड की उर्मिला सिंह के लिए खेती केवल परिवार की जरूरतें पूरी करने का माध्यम थी घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित उनका जीवन तब नई दिशा की ओर बढ़ा, जब वह ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। कृषि के प्रति उनकी रुचि ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और आज वह जैविक सब्जी उत्पादन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनकर लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं उर्मिला को एककीकृत कृषि संकुल क्रमांक-2, पांड से जोड़ा गया। कृषि सखी के माध्यम से उन्हें आधुनिक एवं नवीन तकनीकी खेती, जैविक खाद तथा जैविक कीटनाशकों के उपयोग का प्रशिक्षण मिला। प्रशिक्षण में शामिल अन्य महिलाओं के साथ उर्मिला ने भी खेती की तकनीक सीखी, लेकिन कृषि के प्रति उनके विशेष लगाव और कुछ नया करने की इच्छा ने उन्हें इसे व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया 30 हजार रुपये के ऋण से शुरू किया सब्जी उत्पादन उर्मिला ने अपने एक

एकड़ खेत में व्यावसायिक सब्जी उत्पादन शुरू किया। इसके लिए उन्होंने स्व-सहायता समूह के माध्यम से 30 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज खरीदे। उन्होंने जैविक संसाधन केंद्र से केंचुआ खाद तथा जैविक कीटनाशक के रूप में अधीनस्थ एवं ब्रह्मास्त्र प्राप्त कर उनका उपयोग अपनी फ़सल में किया मौसम के अनुसार अलग-अलग सब्जियों की खेती करते हुए उर्मिला ने उत्पादन और बि क्रो का सिलसिला लगातार जारी रखा। स्थानीय हाट बाजार एवं साप्ताहिक बाजार में अपनी उपज का सीधे वि क्रय कर उन्होंने बेहतर आमदनी प्राप्त की उर्मिला की मेहनत का परिणाम भी सामने आया पिछले सीजन में उन्होंने लगभग 75 हजार रुपये की सब्जियों का वि क्रय किया। निरंतर मौसमी सब्जियों का उत्पादन और स्थानीय बाजार में बि क्रो से उनकी आय में वृद्धि होती गई खेती से होने वाली आय ने उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया और आज वह लखपति दीदी के रूप में अपनी नई पहचान बना चुकी हैं उर्मिला बताती हैं कि वह अपने खेत में उत्पादित सब्जियों में यूरिया का उपयोग नहीं करती।

कल्पना मिश्रा को न्याय दिलाने के आंदोलन को संयुक्त किसान मोर्चा का समर्थन सिरमौर चौराहे पर एक सप्ताह से जारी आंदोलन में पहुंचे किसान मोर्चा के नेता, दोषियों पर आपराधिक मामला दर्ज करने और डिप्टी सीएम के इस्तीफे की मांग



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही के चलते कल्पना मिश्रा की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर सिरमौर चौराहा रीवा में जारी आंदोलन को संयुक्त किसान मोर्चा ने समर्थन दिया है आंदोलन के सातवें दिन मोर्चे के नेता आंदोलन स्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहने की बात कही नेताओं ने मामले में जिम्मेदार

लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने कहा कि कल्पना मिश्रा की मौत के मामले में यदि किसी स्तर पर लापरवाही या जिम्मेदारी सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहना चाहिए मोर्चे ने स्वास्थ्य

विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री से इस्तीफे की मांग भी की आंदोलन स्थल पर पहुंचे नेताओं ने कहा कि परिवार लंबे समय से न्याय की मांग कर रहा है और मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए उनका कहना था कि केवल आशवासन से आंदोलन समाप्त नहीं होना चाहिए बल्कि जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए आंदोलन को समर्थन देने वालों में संयुक्त किसान मोर्चा के नेता शिव सिंह, रामजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह शंखु, संतकुमार पटेल, रामनरेश सिंह, संजय निगम, शिवराम सिंह, सतना लोकनाथ पटेल, पूर्व सरपंच सीताराम पटेल, जिला सचिव अनिल मिश्र, वीरेंद्र सिंह, अवध शरण, योगेंद्र सिंह, दौलत सिंह, अमित पटेल, टिकू, रामभवन कोल सहित अन्य लोग शामिल रहे मोर्चा नेताओं ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखा जाएगा और आंदोलन को लगातार समर्थन दिया जाता रहेगा।

रेलवे भू-अर्जन की कलेक्टर ने की समीक्षा, 157 भूमि स्वामियों का भुगतान बैंक जानकारी के अभाव में अटका

चुरहट में बैठक लेकर कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश, भूमि स्वामियों से जल्द बैंक खाते की सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रेलवे परियोजना के लिए चुरहट क्षेत्र में किए जा रहे भू-अर्जन कार्य और भूमि स्वामियों को अवाई राशि के भुगतान की प्रगति की कलेक्टर विकास मिश्रा ने समीक्षा की। चुरहट में आयोजित बैठक में उपखंड अधिकारी चुरहट अजय शर्मा सहित रेलवे और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में भू-अर्जन से संबंधित लंबित प्रकरणों और भुगतान की स्थिति की जानकारी ली गई समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कुल 157 भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें अवाई राशि का भुगतान नहीं किया जा सका है। इनमें झांझ के 32, रायखोर के 10 तथा आमडौंड-43 के 53

भूमि स्वामी शामिल हैं। संबंधित भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी अभी तक अप्राप्त होने के कारण भुगतान की प्रक्रिया लंबित है कलेक्टर विकास मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी भूमि स्वामियों से तत्काल संपर्क कर उनके बैंक खातों की आवश्यक जानकारी प्राप्त की जाए। उन्होंने कहा कि भुगतान प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि भूमि स्वामियों को बैंक खाते से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि वे शीघ्र अपना बैंक विवरण प्रस्तुत कर सकें कलेक्टर ने भूमि स्वामियों से भी अपील की है कि वे अपने बैंक खाते की सही और आवश्यक जानकारी संबंधित अधिकारियों को जल्द उपलब्ध कराएं। इससे रेलवे परियोजना के लिए अर्जित भूमि के एवज में मिलने वाली अवाई राशि का

भुगतान बिना किसी अतिरिक्त विलंब के किया जा सकेगा बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि टीकटकला, नकबेल, बड़खरा 739 और बड़खरा 735 के शेष 62 भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी प्राप्त हो चुकी है कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रकरणों में भुगतान से जुड़ी सभी औपचारिकताएं प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएं और पात्र भूमि स्वामियों को अवाई राशि का

भुगतान शीघ्र सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने कहा कि रेलवे भू-अर्जन से संबंधित सभी प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए भुगतान में आने वाली प्रत्येक बाधा का त्वरित निराकरण करते हुए लंबित मामलों को जल्द निपटारा जाए। उन्होंने रेलवे और राजस्व विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा भूमि स्वामियों को भुगतान प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग देने के निर्देश भी दिए।



जनसुनवाई में 275 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं, एक ही स्थान पर मिलीं कई सुविधाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला

पंचायत सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलेभर से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं कलेक्टर विकास मिश्रा ने जनसुनवाई में उपस्थित होकर 275 आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराई जाए उन्होंने कहा कि यदि किसी आवेदन का निराकरण संभव नहीं है अथवा आवेदन निरस्त किया जाता है, तो उसके स्पष्ट कारण आवेदक को बताए जाएं। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहेगी और आमजन का प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत होगा जनसुनवाई के दौरान नागरिकों को विभिन्न आवश्यक सेवाएं भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा प्रदान की गई इसके साथ ही आधार अपडेट



की सुविधा भी उपलब्ध रही इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी और उन्हें एक ही परिसर में विभिन्न सेवाओं का लाभ मिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद आईएसएस ने भी जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएं सुनीं उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों में की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर स्वर्णा दीवान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधूरे काम और मकान गिरने की शिकायत, जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण पोस्ता में निर्माण कार्यों की जांच की मांग, अमरवाह की महिला बोली- मकान गिरे दो महीने हुए, अब तक नहीं मिली राहत



है उमेश के मुताबिक, वह करीब डेढ़ साल से इन मामलों को लेकर अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं उन्होंने बताया कि पूर्व में कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा 200 रुपए के स्टॉप पर प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया था इसके बाद उन्होंने स्टॉप खरीदकर आवश्यक प्रक्रियाएं किए गांव में कई निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरे हैंकुछ क्रम शुरू होने के बाद बंद पड़े हैंजबकि कुछ कार्य केवल रिकॉर्ड में दर्ज होने का आरोप

ने संबंधित मामले में कार्रवाई के निदेश दिए हैं दूसरा मामला ग्राम अमरवाह की रामकली भुजवा का है रामकली के अनुसार, करीब दो महीने पहले उनका मकान गिर गया था इसके बाद उन्होंने रहत और सहायता के लिए कई बार आवेदन दिए, लेकिन अब तक कोई मदद नहीं मिली रामकली का आरोप है कि उन्होंने कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों तक अपनी समस्या पहुंचाई लेकिन मौके पर स्थिति देखने के लिए कोई नहीं आया।मंगलवार को वह दोबारा अपनी शिकायत लेकर कलेक्टर के पास पहुंचीं उनके अनुसार, उन्हें अपर कलेक्टर से मिलने के लिए कहा गया ग्रामीणों ने प्रशासन से दोनों मामलों में जांच कर जल्द समाधान करने की मांग की है।

नो-एंट्री तोड़कर शहर में घुसा ट्रक, कोर्ट ने लगाया 21,500 रुपए जुर्माना पुलिस के रोकने पर भी नहीं रुका चालक, कॉलेज मोड़ और चौराहे पर बचकर निकला; डीजल खत्म होने पर पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।शहर में भारी वाहनों के लिए लागू नो-एंट्री नियम तोड़कर प्रवेश करने वाले एक चालक पर पुलिस ने कार्रवाई की है यातायात पुलिस के अनुसार चालक ने पुलिसकर्मियों के रोकने के बावजूद ट्रक नहीं रोका और वाहन को शहर के अंदर ले गया कई स्थानों पर रोकने के प्रयास के बाद ट्रक का डीजल खत्म हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। मामला कोर्ट में पेश किया गया, जहां मंगलवार को चालक पर 21,500 रुपए का जुर्माना लगाया गया सुबह 6 से रात 11 बजे तक नो-एंट्री यातायात पुलिस के मुताबिक शहर में भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था बनाए



रखने के लिए सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक नो-एंट्री लागू है। इसके बावजूद सोमवार शाम एक ट्रक प्रतिबंधित समय में शहर में प्रवेश कर गया पुलिसकर्मियों ने ट्रक को रोककर चालक से पूछताछ करने का प्रयास किया पुलिस के अनुसार इस दौरान चालक ने जानाओं से बदवमीजी की और ट्रक आगे बढ़ा दिया कॉलेज

मोड़ और चौराहे पर भी नहीं रुका पुलिस ने ट्रक को रोकने के लिए कॉलेज मोड़ और यातायात चौराहे पर भी प्रयास किया, लेकिन चालक ने दोनों स्थानों पर वाहन नहीं रोका पुलिस टीम ने पीछा जारी रखा। कुछ दूरी आगे जाने के बाद ट्रक का डीजल खत्म हो गया इसके बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को कार्रवाई के लिए लिया कोर्ट में

पेश हुआ मामला यातायात पुलिस ने चालक के खिलाफ प्रकरण तैयार कर ट्रक को कोर्ट में पेश किया। मंगलवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने चालक पर 21,500 रुपए का जुर्माना लगाया यातायात थाना प्रभारी सुबेदार आशीष तिवारी ने बताया कि ट्रक चालक ने नो-एंट्री नियम का उल्लंघन किया था और पुलिस के रोकने के बाद भी वाहन नहीं रोका वाहन जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रकरण कोर्ट में प्रस्तुत किया गया था पुलिस ने बताया कि चालकों से नो-एंट्री के निर्धारित समय और तय रूट का पालन करने की अपील की है अधिकारियों के अनुसार नियमों का उद्देश्य शहर में जाम और यातायात संबंधी परेशानियों को कम करना है।

जैविक संसाधन केंद्र से किसानों को मिला सहज समाधान, आत्मनिर्भर बन रहा एकीकृत कृषि संकुल खाद एवं कीटनाशकों की स्थानीय उपलब्धता से 250 किसान लाभान्वित



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सीधी अंतर्गत विकासखंड मझौली के एकीकृत कृषि संकुल क्रमांक-01 दूही में स्थापित संकुल स्तरीय संगठन गुलाब सागर के अंतर्गत आईएफएससी जैविक संसाधन केंद्र

की स्थापना वर्ष 2025 में की गई। केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण किसानों को स्थानीय स्तर पर जैविक कृषि के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के साथ उन्हें जैविक खेती की तकनीकों से प्रशिक्षित करना है जैविक संसाधन केंद्र में अग्निस्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र सहित विभिन्न

जैविक कीटनाशक, केंचुआ खाद (वर्मी कम्पोस्ट) तथा जैविक संसाधनों से संबंधित अन्य उत्पाद तैयार कर वि क्रय किए जाते हैं। केंद्र के माध्यम से अब तक आसपास के लगभग 250 किसानों को लाभान्वित किया जा चुका है इनमें से 90 किसानों ने केंद्र पर जैविक खेती से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया है प्रशिक्षित किसानों द्वारा अपनी लगभग आधा-आधा एकड़ भूमि में जैविक खेती को अपनाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में किसान

फसलों में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करने के साथ कीट नियंत्रण के लिए अग्निस्त्र एवं ब्रह्मास्त्र जैसे जैविक कीटनाशकों का उपयोग कर रहे हैं अब किसानों को घर पर जैविक कीटनाशक बनाने की बाध्यता नहीं जैविक संसाधन केंद्र की स्थापना से

अधिकारी द्वारा किसानों को कृषि संबंधी जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जाता है। वहीं दूसरे एवं चौथे मंगलवार को पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी पशुओं के टीकाकरण सहित पशुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हैं जैविक संसाधन केंद्र की गतिविधियों से किसानों को लाभ मिलने के साथ केंद्र भी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है वित्तीय वर्ष में अग्निस्त्र, ब्रह्मास्त्र सहित अन्य जैविक कीटनाशक एवं वर्मी कम्पोस्ट की बि क्रो से लगभग 64 हजार रुपये का व्यवसाय किया गया है इससे जैविक संसाधन केंद्र एक आत्मनिर्भर एवं सेवा आधारित संस्थान के रूप में विकसित हो रहा है जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आईएफएससी के अंतर्गत

प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग गांवों में महिला किसानों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं इन बैठकों में किसानों को जैविक खेती, जैविक कीटनाशकों के उपयोग और जैविक उत्पादन बढ़ाने के संबंध में प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया जाता है वर्तमान में आईएफएससी से जुड़े लगभग 50 किसान सब्जी उत्पादन का कार्य कर रहे हैं और इनके द्वारा सब्जियों में जैविक कीटनाशकों का उपयोग किया जा रहा है इससे सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण सब्जी उत्पादन को बढ़ावा मिल रहा है इस पूरी पहल को धरातल पर प्रभावी रूप से संचालित करने में एकर, वरिष्ठ सीआरपी एवं सीआरपी की महत्वपूर्ण भूमिका है इनके द्वारा किसानों को लगातार तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं जैविक

संसाधनों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा एकीकृत कृषि संकुल की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह एवं जिला प्रबंधक कृषि विजय शंकर गिरि गोस्वामी का निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है र्वि जै वी क संसाधन केंद्र ने किसानों के लिए जैविक खेती को आसान और सुलभ बनाया है। स्थानीय स्तर पर जैविक खाद एवं कीटनाशकों की उपलब्धता, नियमित प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन से किसान धीरे-धीरे रासायनिक खेती से जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं आईएफएससी की यह पहल किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ एकीकृत कृषि संकुल को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन में मंगलवार सुबह तेज बारिश के दौरान एक कच्चा मकान अचानक ढह गया हदसे में मकान के अंदर रखा जूहस्थी का अधिकांश सामान मलबे में दब गया हालांकि मकान में रहने वाले पति-पत्नी दीवार में दरार दिखाई देने के बाद समय रहते घर से बाहर निकल आए जिससे दोनों सुरक्षित बच गए जानकारी के अनुसार वाई क्रमांक-4 निवासी मुनालाल साकेत अपनी पत्नी के साथ कच्चे मकान में रहते हैं मंगलवार सुबह करीब 8 बजे तेज बारिश हो रही थी मुनालाल घर के बाहर काम कर रहे थे जबकि उनकी पत्नी भी पास में घास खड़ाइ रही थी इसी दौरान बारिश का पानी मकान के अंदर भरने लगा मुनालाल साकेत के अनुसार बारिश के बीच अचानक मकान की एक दीवार में दरार दिखाई दी स्थिति को देखते हुए दोनों पति-पत्नी तुरंत घर से बाहर निकल आए उनके बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद दीवार तेज आवाज के साथ गिर गई और मकान का काफी हिस्सा ढह गया मकान गिरने से घर में रखा पंखा, कुलर, अलमारी, बिस्तर, गेहूं-चावल की बोरियां सहित अन्य घरेलू सामानमलबे में दब गया। सामान खराब होने से परिवार के सामने रहने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की पेशानी खड़ी हो गई है हदसे की सूचना मिलने के बाद नगर पंचायत रामपुर नैकिन के अधिकारी-कर्मचारियों को जानकारी दी गई नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली उन्होंने परिवार को हर्संभव मदद का भरोसा दिलाया अध्यक्ष ने बताया कि मकान और नुकसान का प्रशासन की ओर से सर्वे करवाया जाएगा सर्वे रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार सहायता और मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी पीड़ित परिवार ने प्रशासन से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

जंगली हाथी का कहर : ग्रामीण की मौत, कई घर ढहाए मलबे में दबे जानवर

मीडिया ऑडिटर, हैह्र (निप्र)। जिले के रामनगर विकासखंड अंतर्गत पैसा पंचायत केसिंगपुर मौहल्ले गांव में जंगली हाथी के उत्पात से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है ग्रामीणों के अनुसार हाथी के हमले मेंकट्टेरी यादव की मौत हो गई इसके अलावा हाथी ने गांव में कई घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया मकनों के मलबे में बकरी और अन्य जानवरों के दबे होने की भी सूचना है घटना के बाद ग्रामीणों में वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है ग्रामीणों का आरोप है कि जंगली हाथी केगांव में पहुंचने की सूचना दिए जाने के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर कई घंटेबाद पहुंची। इस दौरान हाथी गांव में उत्पात मचाता रहा तीन से चार घंटे बाद पहुंची टीम पैसा पंचायत के सरपंच वीप्रेन्द्र प्राप सिंह के अनुसार, वन विभाग को सूचना देने के बाद भी करीब तीन से चार घंटे तक टीम मौके पर नहीं पहुंची इसी दौरान हाथी ने कट्टेरी यादव पर हमला कर दिया जिससे उनकी मौत हो गई संपर्क का कहना है कि हाथी ने कई मकानों की भी गिरा दिया जिनके मलबे में जानवरों के दबे होने की सूचना है ग्रामीणों का आरोप है कि इतनी गंभीर घटना के बाद भी वन परिक्षेत्र अमरपाटन के रेंगर तत्काल मौके पर नहीं पहुंचे 8 सितंबर की सुबह करीब 9:45 बजे तक रेंगर केघटनास्थल पर नहीं पहुंचने की बात ग्रामीणों ने कही है ग्रामीणों में भय का माहौल जंगली हाथी को मौजूदगी के बाद गांव में भय का माहौल बना हुआ है ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी को सुरक्षित तरीके से गांव से दूर करने और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि हाथी की आमद की सूचना मिलने के बाद समय रहते सूचना और बचाव के इंजााम क्यों नहीं किए गए। वन विभाग की ओर से घटना और ग्रामीणों के आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

मौत की इमारतों की राजधानी

दिल्ली देश की राजधानी है अथवा मौत की इमारतों का महानगर है। यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि हाल ही में मालवीय नगर के एक ‘अवैध’, संकरे कथित होटल में अग्निकांड हुआ, जिसमें 22 ज्दिगियां भस्म होकर राख बन गईं। कभी राजेन्द्र नगर में बारिश का पानी भर जाता है, उसमें करंट भी प्रवाहित होने लगता है, नतीजतन आधा दर्जन युवा छत्र अचानक लाश बन जाते हैं। वे आईएएस बनने का सपना लिए पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन मौत ने सब कुछ छीन

लिया। कभी लक्ष्मीनगर में हादसा हुआ और फिर युवा जिंदगियों पर विराम लग गया। इसी जुलाई में ही रोहिणी में इमारत गिरी, साकेत और करोल बाग में हादसे हुए। मुस्तफाबाद में 11 मौतें इससे पहले हो चुकी थीं। ये हादसे, मौतें नहीं, बल्कि हत्याएं हैं, क्योंकि बचने के बंदोबस्त ‘शून्य’ थे। और अब संभ्रांत कॉलोनी मोतीबाग के पास सत्य निकेतन में भी एक 5-मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। रविवार रात तक 5 मौतों की पुष्टि की चुकी थी। तीन छत्र अस्पताल में जिंदगी-मौत के

बीच संघर्ष कर रहे हैं। मौतों की संख्या अधिक भी हो सकती है, क्योंकि 25-30 छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई है। इन तमाम इमारतों में एक तथ्य साझा है कि सभी ‘अवैध’ थीं। न अग्निशमन विभाग का एनओसी, न नगर निगम का एनओसी, स्वीकृत मंजिलों से अधिक मंजिलों का निर्माण और कई इमारतें तो सालों पुरानी थीं, जिनका रखरखाव भी नहीं

किया गया था। सत्य निकेतन वाली इमारत भी 36 साल पुरानी बताई गई है। उस पर विभाग ने सील लगा दी थी, लेकिन फिर न जाने कैसे, वह सील भी खुल गई और यह हत्याकांड हो गया। इस इमारत की तीन मंजिलें ‘अवैध’ थीं, क्योंकि उसे भूतल और पहली मंजिल बनाने की ही अनुमति दी गई थी, लेकिन भूतल के ऊपर की चार मंजिलों का निर्माण कर लिया गया। दिल्ली

नगर निगम के एक पूर्व चेयरमैन और फायर ब्रिगेड के पूर्व निदेशक ने चौंका देने वाला खुलासा किया है कि दिल्ली में करीब 75 लाख इमारतें हैं। उनमें से करीब 1.75 लाख इमारतों के नक्शे पास हैं। शेष सभी इमारतें अवैध और अतिक्रमण की हैं। देश की राजधानी में 1731 अनधिकृत कॉलोनियां हैं। उनमें से 1511 को अधिकृत, नियमित करने के महेनजूर पीएम-उद्यय योजना के तहत रखा गया है। एक पुख्ता वोट बैंक की तैयारी...लेकिन यह कितना भयावह

यथार्थ है! यदि इन अवैध, अनधिकृत इलाकों में कोई इमारत भरभरा कर गिर पड़ती है, तो कल्पना कीजिए कि नुकसान कितना होगा? सरकार मुआवजा भी नहीं देगी। आखिर ये अनधिकृत कॉलोनियां कैसे उभर आईं? किसने इन्हें बनाया और सरकार में किन्होंने इनकी मदद की? ये इमारतें कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के दौरान बनी होंगी, लिहाजा कोई एक चेहरा या पार्टी ‘खलनायक’ नहीं है। इस भ्रष्ट हम्माम में सभी नंगे हैं।

सोन जल समझौते से सहकारी संघवाद की नई राह

डॉ. सत्यजन लौरभ

अंतरराष्ट्रीय नदियाँ केवल बहते पानी की नदियाँ ही नहीं हैं, बल्कि ये जीवन रेखाएँ हैं जो कृषि उत्पादन, पेयजल आपूर्ति, उद्योगों, पारिस्थितिकी तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देती हैं। हालाँकि, नदियों का प्रवाह राज्य की सीमाओं को भी पार कर सकता है, इसलिए इनका प्रबंधन राज्यों के बीच टकराव का कारण बन सकता है। हाल ही में बिहार-झारखंड के बीच सोन नदी को लेकर हुआ समझौता, जिसका उद्देश्य लगभग 25 वर्षों से चले आ रहे जल विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करना है, सतत जल प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है - एक ऐसा जल मुद्दा जिसे केवल सहयोग से ही सुलझाया जा सकता है, न कि टकराव से। अंतरराष्ट्रीय जल संघर्षों के निरंतर बने रहने का मुख्य कारण जल विकास के लिए परस्पर विरोधी हित हैं। एक राज्य सिंचाई के लिए अधिक जल का उपयोग कर सकता है, जबकि दूसरा पेयजल, उद्योग या शहरी विकास के लिए। ये सभी आवश्यकताएँ जायज हैं, लेकिन जल सीमित है। यदि कई राज्य एक ही नदी पर निर्भर हैं, तो संसाधन दुर्लभ हो जाते हैं और इन आवश्यकताओं को संतुलित करना संघीय प्रशासन के लिए एक चुनौती बन जाता है। विभिन्न क्षेत्रों और ऋतुओं में जल असंतुलन से जटिलताएं और बढ़ जाती हैं। मानसून के मौसम में अच्छी वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में उस दौरान भारी वर्षा हो सकती है, लेकिन ग्रीष्म ऋतु में वर्षा की कमी हो सकती है। इस प्रकार, एक नदी एक वर्ष भरपूर जल से भरी हो सकती है और दूसरे वर्ष खिल हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह स्थिति और भी अनिश्चित होती जा रही है। वर्षा के बदलते पैटर्न से नदियों के प्रवाह में परिवर्तन हो रहा है, जबकि लंबे समय तक सूखा पड़ने और चरम मौसम की घटनाएं भी जल उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं और जल उपलब्धता के बारे में अनुमानों को कम विश्वसनीय बना रही हैं। प्रशासनिक पुनर्गठन से ऐतिहासिक समझौतों पर असहमति भी उत्पन्न हो सकती है। बिहार-झारखंड संबंधों के मामले में भी यही स्थिति है। एक ही प्रशासनिक ढांचे के भीतर हुए समझौतों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है यदि राज्यों का पुनर्गठन हो और उनकी कृषि, जनसंख्या और आर्थिक आवश्यकताएं विकसित हों। दशकों पहले प्रचलित निष्पक्षता की अवधारणा वर्तमान संदर्भ में लागू होना आवश्यक नहीं है। संघर्ष का एक अन्य बड़ा कारण ऊपरी इलाकों में चल रही परियोजनाओं का विकास और उनका उपयोग है। बांधों, बैराजों और सिंचाई योजनाओं के कारण निचले इलाकों में पानी की मात्रा और निकासी का कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है। सूचना साझाकरण और राज्यों के बीच परियोजना समन्वय के अभाव में, तकनीकी कार्य में निपुणता भी अविश्वास का कारण बन सकती है। पारदर्शी और वास्तविक समय के जलवैज्ञानिक आंकड़ों की अनुपलब्धता विवादों को और बढ़ा देती है। राज्यों के बीच आवंटित जल की मात्रा और उपलब्ध जल की मात्रा को लेकर अलग-अलग लक्ष्य हो सकते हैं। यदि वर्षा की मात्रा, नदी के प्रवाह, जलाशयों के स्तर और जल उपयोग के बारे में कोई साझा, वैज्ञानिक रूप से स्वीकृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो बातचीत आसानी से परस्पर विरोधी मांगों पर बहस में बदल सकती है। अगर लोग राजनीतिक रूप से संगठित हो जाते हैं तो स्थिति और बिगड़ सकती है। पानी का मुद्दा भावनात्मक है और इसका किसानों, परिवारों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर तकनीकी समस्या क्षेत्रीय मुद्दा या राजनीतिक विवाद बन जाती है, तो समझौता करना मुश्किल हो जाता है। संस्थागत संवाद का यही उद्देश्य है, ताकि यह एक लंबा संघीय संघर्ष न बन जाए। सोन नदी के लिए बिहार-झारखंड का दर्जा समझौता वार्ता के महत्व का एक उदाहरण है। दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से समाधान खोजने के लिए एक-दूसरे से संपर्क साधकर अहिंसक तरीके से विवाद को सुलझाने का प्रयास किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार को 575 करोड़ एकड़-फीट (इक्क) और झारखंड को 2 करोड़ एकड़-फीट (इक्क) जल आवंटन प्राप्त हुआ है। लेकिन इस समझौते का प्रभाव केवल इन आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम भी हैं। इसका वास्तविक महत्व यह संदेश देना है कि राज्य अपने हितों की रक्षा करने के साथ-साथ अन्य राज्यों की आवश्यकताओं को भी समझने में सक्षम हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी

6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही?में एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोँदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरुआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीम में तैनात की हैं।शुरुआती चिकित्सकीय आकलन में मेशनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमॉरम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा। साथियों,इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है।प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालाँकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा। साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूआर कोड लगा



गतिविधि नहीं रह जाती,यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है। साथियों,बात अगर हम इस सामने आई तथा एफडीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जन्त किया था।याने जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है, इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिज्नी जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं। साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी

सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा है।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से

सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है। साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तर-राजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस

करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है, दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके? साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तर-मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है। भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है।

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में ‘अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस’ मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

योगेश कुमार गोयल निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को ‘अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस’ मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है। दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विडम्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना

बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी



जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है ‘2026 में, धरती और समुद्र के लिए साक्षरता’। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः ‘डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना’ और ‘बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना: आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता’ थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्त पर ध्यान देने

के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय ‘साक्षरता सतत विकास’ रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु ‘साक्षरता और स्वास्थ्य’ थी, जिसके जरिये टीबी, कलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैटने

वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय ‘साक्षरता और सशक्तिकरण’ रखा गया था जबकि 2010 की थीम ‘साक्षरता विकास को बनाए रखना’ थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम ‘साक्षरता और महामारी’ (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय

बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी ‘साक्षरता और सशक्तिकरण’। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए ‘साक्षरता और शांति’, 2014 में ‘21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता’, 2015 में ‘साक्षरता और सतत विकास’, 2016 में ‘अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना’, 2017 में ‘डिजिटल दुनिया में साक्षरता’, 2018 में ‘साक्षरता और कौशल विकास’ अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में ‘साक्षरता और बहुभाषावाद’, वर्ष 2020 में ‘कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण’, 2021 में ‘मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरता: डिजिटल विभाजन को कम करना’ (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरी: नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में ‘ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस’ (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में ‘संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देना: टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण’ (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशन: बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है।

साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठ बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इन्में शामिल है।

समय-सीमा की बैठक हुई संपन्न: कलेक्टर का कड़ा निर्देश एसडीएम, आबकारी और खाद्य अधिकारियों को सघन निरीक्षण

छात्रावासों और आश्रमों की व्यवस्था को लेकर कलेक्टर सख्त नियमित निरीक्षण कर कमियां तत्काल दूर करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कर्मा्ी, लॉबित प्रकरणों, जनशिक्षकों तथा शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तारपूर्वक समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को लॉबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने जनशिक्षकों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हिस्साह्वी तक पहुंचाने के कड़े निर्देश दिए उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़े मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी कलेक्टर ने सुशासन तिहार, सीएम हेल्पलाइन 1076, सीएम जनदर्शन पीएम पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन पारस पोर्टल एवं लोक सेवा केंद्र से संबंधित लॉबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की उन्होंने पारस पोर्टल पर लॉबित प्रकरणों एवं विभागीय कर्मा्ी की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी समय-सीमा में अपडेट करने और



लॉबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षागत का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदक को वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए कलेक्टर ने अधिकारियों को लगातार फ़ील्ड में रहकर शासकीय योजनाओं और विकास कर्मा्ी की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से एसडीएम, आबकारी एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण और सघन निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व मामलों, राशन व्यवस्था और आबकारी से जुड़े विषयों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की

जाएगी बैठक में शासकीय मेडिकल कॉलेज मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा स्वास्थ्य विभाग के निर्माणाधीन कर्मा्ी को व्यापक समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि सीजीएमएससी के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मनेन्द्रगढ़ में 50 बिस्तरिय क्रिटिकल केयर हेल्थ क्लॉक का निर्माण कार्य प्राति पर है, जहां ग़रप्ट खुदाई का कार्य चल रहा है वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भवन के प्रथम तल स्लैब के लिंलक का कार्य भी प्राति पर है चिरमिरी, जनकपुर एवं मनेन्द्रगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नवीन ट्रीजिट हॉस्टल निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई। चिरमिरी एवं जनकपुर में फ़रउंज़ेख़न



तथा समतलीकरण और मनेन्द्रगढ़ में ग़्राउंड फ़्लोर स्लैब लेवल का कार्य प्राति पर है वहीं जनकपुर के 50 बिस्तरिय अस्पताल के उन्नयन का कार्य भी प्राति पर है शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में म्यूजियम, फ़िज़ियोथेरेपी एवं कम्प्युनिटी मेडिसिन विभाग के लेक्चर हॉल का निर्माण फ़िर्निशिंग स्तर पर है जिला चिकित्सालय चिरमिरी में 36 नग़ क्वार्टर एवं आवासीय परिसर के निर्माण में एक टाइप क्वार्टर का स्लैब हमर लैब के निर्माण कार्य पुनः निविदा हेतु प्रस्तावित हैं तीन मॉड्यूलर ओटी का 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है मनेन्द्रगढ़ में 200 बिस्तरिय जिला चिकित्सालय के निर्माण में ग़रप्ट खुदाई पूर्ण हो चुकी है

तथा बेस एवं ग़रप्ट का कार्य प्राति पर है। 220 बिस्तरिय जिला चिकित्सालय में बाउंड्रीवाल, मेडिकल कॉलेज, अकादमिक ब्लॉक, स्टूडेंट इंडोर स्पोर्ट्स, यूजी बॉयज़ हॉस्टल और यूजी गर्ल्स हॉस्टल का कार्य प्राति पर है वहीं इंटीर्न मेल हॉस्टल, इंटीर्न फ़ेमेल हॉस्टल, कॉमन डाइनिंग, गेस्ट हाउस और शॉपिंग आर्केड का कार्य प्राति पर है इसके अलावा डायरेक्टर रेंजिडेंट, सुपरिंटेंडेंट रेंजिडेंट, रेंजिडेंट टाइप-सी, टाइप-डी, टाइप-ई, स्पोर्ट्स फ़ैसिलिटी का कार्य पूर्ण हो चुका है कलेक्टर ने निर्माणाधीन सभी कर्मा्ी की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए बच्चाों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रावासों एवं आश्रमों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को भोजन, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से मिलनी चाहिए।

तथा बेस एवं ग़रप्ट का कार्य प्राति पर है। 220 बिस्तरिय जिला चिकित्सालय में बाउंड्रीवाल, मेडिकल कॉलेज, अकादमिक ब्लॉक, स्टूडेंट इंडोर स्पोर्ट्स, यूजी बॉयज़ हॉस्टल और यूजी गर्ल्स हॉस्टल का कार्य प्राति पर है वहीं इंटीर्न मेल हॉस्टल, इंटीर्न फ़ेमेल हॉस्टल, कॉमन डाइनिंग, गेस्ट हाउस और शॉपिंग आर्केड का कार्य प्राति पर है इसके अलावा डायरेक्टर रेंजिडेंट, सुपरिंटेंडेंट रेंजिडेंट, रेंजिडेंट टाइप-सी, टाइप-डी, टाइप-ई, स्पोर्ट्स फ़ैसिलिटी का कार्य पूर्ण हो चुका है कलेक्टर ने निर्माणाधीन सभी कर्मा्ी की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए बच्चाों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रावासों एवं आश्रमों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को भोजन, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से मिलनी चाहिए।

फर्जी सिम के खिलाफ ऑपरेशन फास्ट 2.0 में कार्रवाई, तीन पर FIR

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। साइबर अपराधों में इस्तेमाल हो रही संधिध और फर्जी सिम के खिलाफ शिवपुरी पुलिस ने ऑपरेशन फास्ट 2.0 के तहत कार्रवाई की है। राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान भौती और मायापुर थाना पुलिस ने जांच के बाद तीन लोगों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं पुलिस अब इन सिम कार्ड के इस्तेमाल और साइबर ठगी से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है भौती थाना पुलिस को साइबर पोर्टल के माध्यम से ठगी की शिकायत मिली थी। राजस्थान के डीडवना-कुचामन सिटी निवासी किसानलाल ने शिकायत में बताया कि उन्हें दो मोबाइल नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वालों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और एकआईआर दर्ज होने का डर दिखाकर उनसे 12,520 रुपए फोनो पेमेंट्स बैंक के खाते में ट्रांसफर करा लिए पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। जांच में ठगी में इस्तेमाल मोबाइल नंबरों के सिम ग्राम महोबा डामरनी निवासी राहुल जाटव और बाप्रताप जाटव के नाम पर पाए गए भौती पुलिस ने दोनों के



खिलाफ धारा 318(4), 319(2) बीएनएस और 66(8) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है मायापुर थाना पुलिस ने भी अभियान के तहत एयरटेल स्टोर मायापुर के एजेंट पवन कुमार लोधी के खिलाफ मामला दर्ज किया पुलिस के अनुसार एक एक्सेल शीट की जांच में उनके बहुर कोड से जारी सिम साइबर फ्रॉड से जुड़ी मिली जांच में सिम रेखा पत्नी हल्के आदिवासी के नाम पर दर्ज थी पृच्छाछ में रेखा ने सिम खरीदने से इनकार किया पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया एजेंट ने ग्राहक के दस्तावेज लेकर उसके नाम पर सिम एक्टिवेट की और उसे किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया। बाद में इस सिम से 13,040 रुपए की धोखाधड़ी सिम साइबर मायापुर पुलिस ने पवन कुमार लोधी के खिलाफ बीएनएस, आईटी एक्ट और दूरसंचार अधिनियम की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मनेन्द्रगढ़ में लगातार चोरी से परेशान महिलाएं लाठी लेकर कर रहीं पहरेदारी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है चोरी की घटनाओं से परेशान रेलवे कॉलोनी की महिलाओं ने अब रात में लाठी-डंडे लेकर पहरेदारी शुरू कर दी है। कॉलोनीवासियों ने पुलिस को एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए चोरी के मामलों का जल्द खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर एसपी कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दी गई है स्थानीय लोगों के अनुसार रेलवे कॉलोनी में 15 दिनों के भीतर 5 चोरी जबकि चैनपुर क्षेत्र में 10 दिनों में 6 चोरी की घटनाएं होने का दावा किया जा रहा है मौहारापारा में भी लगातार चोरी की घटनाओं की बात सामने आई हैइससे लोगों में घरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है महिलाओं का आरोप है कि चोरी की सूचना देने के



बावजूद कई बार पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंचती वहीं मौहारापारा वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद इमरान खान ने भी CCTV फुटेज और अन्य साक्ष्य पुलिस को उपलब्ध कराने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है सिटी कोतवाली प्रभारी बिक्रम पाटेल ने बताया कि पिछले दो महीनों में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है उन्होंने कहा कि पुलिस बारिश खराब होने और लगातार वाहन चोरण के कारण पेट्रोलिंग प्रभावित हुई थी। अब पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध है और शहर में गस्त बढ़ा दी गई है चोरी के मामलों की जांच और निगरानी जारी है।

दुकान का बकाया किराया नहीं किया जमा, न्यायालय ने पक्षकार को किया तलब

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। दुकान का बक़या किराया जमा नहीं किए जाने से जुड़े एक राजस्व प्रकरण में न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मनेन्द्रगढ़ ने संबंधित पक्षकार को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 सितंबर 2026 की तारीख निर्धारित की गई है न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि पर पक्षकार के उपस्थित नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की जा सकती हैप्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व प्रकरण क्रमांक 202510330400014/अ-89/21/2025-26 में छत्तीसगढ़ शासन बनाम सोहनदास, ग्राम मनेन्द्रगढ़ का प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है। बताया गया है कि संबंधित व्यक्ति को जीवन दीप्त समिति द्वारा संचालित दुकान क्रमांक-02 आवंटित की गई है दुकान के निर्धारित किराये का भुगतान लॉबित

रहने के कारण बक़या राशि से संबंधित मामला राजस्व न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है प्रकरण की सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षकार को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है। इसके लिए न्यायालय ने आगामी सुनवाई की तारीख तय करते हुए निर्धारित समय पर उपस्थित होने के निर्देश जारी किए हैं न्यायालय के निर्देश के अनुसार संबंधित पक्षकार को 18 सितंबर 2026 को न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मनेन्द्रगढ़ के समक्ष उपस्थित होकर प्रकरण के संबंध में अपना पक्ष प्रस्तुत करना होगा पक्षकार द्वारा निर्धारित तिथि पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने पर न्यायालय उपलब्ध अभिलेखों और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर सकता है राजस्व न्यायालय की ओर से यह कार्रवाई दुकान के बक़या किराये से जुड़े प्रकरण में नियमानुसार की जा रही है अब मामले में अगली सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षकार का पक्ष सामने आने के बाद प्रकरण में आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

जनदर्शन में उमड़ी फरियादों की कतार, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने गंभीरता से सुनी समस्याएं समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया जनदर्शन में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनदर्शन में नागरिकों ने भूमि मुआवजा, रहत राशि, भूमि संबंधी विवाद, पुसैनी भूमि में हिस्सेदारी, आवास योजना, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगजनों के सहायक उपकरण, आंगनबाड़ी भवन की मरम्मत, डीएएमएफ राशि एवं अनुकंपा नियुक्ति सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए इस



दौरान परसगढ़ी निवासी बिहारी लाल ने वन अधिकार पट्टा में नाम सुधार कराने के संबंध में आवेदन दिया। वहीं चित्ताझोर निवासी अब्दुल रसीद खान ने मुआवजा राशि के लिए पूर्व में दिए गए आवेदन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने की शिकायत करते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की करी निवासी दिलकस ने भूमि संबंधी विवाद तथा पुसैनी भूमि के बंटवारे में अपना हिस्सा नहीं दिए जाने की शिकायत प्रस्तुत की भीता निवासी धनप्रेर सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में पात्र हितग्राहियों

को अपात्र किए जाने के संबंध में शिकायत करते हुए मामले की जांच की मांग की जनकपुर निवासी पावती ने धोखाधड़ी कर पैसे लिए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की वहीं उदनापुर निवासी मुनीर ने स्वीकृत आवास योजना की राशि का भुगतान नहीं होने की समस्या कलेक्टर के समक्ष रखी पेड़ड़ी निवासी सोमार्क ने भूमि संबंधी प्रकरण को लेकर आवेदन दिया इसके अलावा भीता के समस्त ग्राम वासियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची में कथित अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की जांच

कराने के संबंध में सामूहिक आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण की तथ्यात्मक जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने तथा शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला कलेक्टर ने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया को समयबद्ध रखने के निर्देश दिए।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस के सामने से निकली ओवरलोड पिकअप, बिना सीट बेल्ट कार भी भागी 11 मजदूरों से भरी पिकअप पर कार्रवाई, कुछ देर बाद दूसरी ओवरलोड गाड़ी पुलिस के सामने से निकली चेकिंग अभियान की प्रभावशीलता पर उठे सवाल

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। शहर में मंगलवार सुबह ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए गए वाहन चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों की अन्तरेखी के कई मामले सामने आए मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शहर के चार प्रमुख स्थानों पर सुबह 8 से 11 बजे तक वाहनों की जांच की गई इस दौरान चक्कर रोड पर कुछ ऐसे दृश्य सामने आए जिनसे चेकिंग अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो गए चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट स्कूटी चला रही एक महिला को पुलिस ने रोका महिला की गोद में बच्ची थी महिला ने पुलिसकर्मीयों से कार्रवाई से बचने की गुहार लगाते हुए बताया कि वह अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने



आई थी और उसके पास रुपए नहीं हैं इसी दौरान एक ड्राइविंग स्कूल की कार भी चेकिंग स्थल से गुज़ती दिखाई दी कार पर मां नर्मदा कार ड्राइव लिखा था। कार चला रहा युवक सीट बेल्ट लगाए बिना वाहन चला रहा था मजिस्ट्रेट और पुलिसकर्मीयों की मौजूदगी में ड्राइविंग स्कूल के वाहन में यातायात

नियमों का उल्लंघन सामने आने से कार्रवाई को लेकर सवाल उठे चेकिंग के दौरान पुलिस ने मजदूरों से भरी एक बोलेरो पिकअप को रोका वाहन में चालक समेत 11 लोग सवार थे पुलिस ने सभी मजदूरों को वाहन से नीचे उतारा और ओवरलोडिंग के मामले में जुर्माना लगाया हालाँकि इसके करीब दो

मिनट बाद ही एक दूसरी ओवरलोड पिकअप पुलिस जवानों के पास से निकल गई वाहन में सवार कुछ मजदूर पीछे की ओर लटके हुए नजर आए, लेकिन उसे रोकने की कार्रवाई नहीं हुई बिना सीट बेल्ट कार चला रहे एक चालक को पुलिसकर्मी ने रोककर वाहन साइड में लगाने को कहा इसी दौरान पुलिसकर्मी दूसरे वाहन की जांच में व्यस्त हो गया आरोप है कि चालक ने कार साइड में लगाने का दिखावा किया और फिर दूसरी सड़क की ओर वाहन लेकर निकल गया ट्रैफिक पुलिस ने चक्कर रोड चौराहा, इटारसी रोड स्थित नंदा ढाबा, भोपाल चौराहा सहित चार स्थानों पर अभियान चलाया।

हर घर नल से बदली धनौली की तस्वीर, जल जीवन मिशन बना खुशहाल जीवन की नई पहचान जिले के दूरस्थ ग्राम धनौली में ‘हर घर जल’ योजना ने पहुंचाई स्वच्छ पेयजल की सुविधा, ग्रामीणों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखण्ड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बैरौता का आश्रित ग्राम धनौली आज जल जीवन मिशन की सफलता और जनभागीदारी की मिसाल बनकर उभरा है जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ से लगभग 125 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में लंबे समय तक ग्रामीणों को पेयजल के लिए कुएँ, हैंडपंप और अन्य दूरस्थ जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था गर्मियों के दिनों में जलस्रोत सूखने से ग्रामीणों की पेशानी और बढ़ जाती थी ऐसे समय में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल योजना ने धनौली की तस्वीर बदलने का काम किया है आज गांव के हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है और पानी के लिए होने वाली भागदौड़ काफी हद तक समाप्त हो गई है लगभग 350 की आबादी और 60 परिवारों वाले धनौली गांव में पहले पेयजल की सुविधा सहज उपलब्ध नहीं थी ग्रामीणों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए कूरे, हैंडपंप या दूर स्थित



अन्य जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के मौसम में जलस्रोतों के सूख जाने से स्थिति गंभीर हो जाती थी। पानी की कमी के साथ उसकी गुणवत्ता को लेकर भी चिंता बनी रहती थी जिसका असर ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ता था जल जीवन मिशन के तहत इस समस्या को दूर करने के लिए ग्राम में व्यवस्थित जलापूर्ति की दिशा में कार्य प्रारंभ किया गया पाइपलाइन बिछाई गई ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया और प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया साथ ही जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी शुरू की गई जिससे ग्रामीणों

को सुशुधित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था मजबूत हुई धनौली में बदलाव केवल निर्माण कर्मा्ी तक सीमित नहीं रहा बल्कि ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने इसे स्थायी सफलता में बदलने का काम किया जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत बैरौता की चर्यावित कर पंचायत प्रतिनिधियों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से घर-घर नल कनेक्शन पहुंचाने का कार्य शुरू किया गया ग्रामीणों ने पाइप लाइन बिछाने और जल व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग दिया इसके साथ ही उन्हें जल स्रोतों के संरक्षण स्वच्छ जल के उपयोग और जल बचाने के प्रति जागरूक किया गया गांव में यह समझ विकसित हुई कि नल से पानी मिलना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी उपलब्ध जल स्रोत और पूरी जलापूर्ति व्यवस्था का संरक्षण करना भी है यही सामुदायिक सहभागिता धनौली की सफलता की महत्वपूर्ण वजह बनी।

नशे के दो वीडियो वायरल, एक में स्मैक की खरीद-फरोख्त तो दूसरे में सेवन का दावा

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में नशे से जुड़े दो वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्रवाई पर नज़रें टिक गई हैं एक वीडियो में कुछ युवक कथित तौर पर स्मैक की खरीद-फरोख्त करते दिखाई दे रहे हैं जबकि दूसरे वीडियो में एक युवक सड़क किनारे नशीले पदार्थ का सेवन करता नजर आ रहा है वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने इनमें दिखाई दे रहे युवकों की पहचान शुरू कर दी है पहला वीडियो लुधनावली क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 का बताया जा रहा है इसमें दो युवक एक अन्य युवक से कथित तौर पर स्मैक की सोदेबाजी करते दिखाई दे रहे हैं वीडियो के आधार पर पुलिस संबंधित युवकों की पहचान करने में जुटी है वहीं दूसरा वीडियो हवाई पट्टी के पास स्थित रेत मंडी का बताया जा रहा है इसमें एक युवक सड़क किनारे बैठा दिखाई दे रहा है वीडियो में युवक



के नशीला पदार्थ लेने का दावा किया जा रहा है वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर खुले में नशा करने पर फटकार भी लगाई देशांतरीय प्रभारी विकास यादव ने बताया कि स्मैक की खरीद-बिक्री से संबंधित वीडियो सामने आया है वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों की पहचान की जा रही है पहचान और जांच के बाद तथ्यों के आधार पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी शहर में पुलिस का नशे से दूरी है जरूरी अभियान भी जारी है। ऐसे में सामने आए वीडियो ने अभियान की प्रभावशीलता और नशे के अवैध कारोबार पर निगरानी को लेकर सवाल खड़े किए हैं।



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में विकास की रोशनी पहुंचाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब धरातल पर दिखाई देने लगा है इसका एक

प्रेरक उदाहरण आदिवासी कन्या आश्रम बड़वाही, विकासखंड भरतपुर में स्थापित सोलर हाई मास्ट संयंत्र है। इस संयंत्र ने न केवल आश्रम के साथ-साथ छात्राओं की सुविधा और सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ है जिला मुख्यालय से लगभग 145

किलोमीटर दूर स्थित बड़वाही का आदिवासी कन्या आश्रम दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्र में है ऐसे क्षेत्र में रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होना छात्राओं की सुरक्षा और दैनिक गतिविधियों के लिए बेहद आवश्यक है सोलर हाईमास्ट की स्थापना के बाद आश्रम परिसर में रातभर निर्बाध प्रकाश उपलब्ध हो रहा है इस सोलर हाई मास्ट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रात्रिकालीन बिजली चले जाने के बाद भी आश्रम परिसर में प्रकाश व्यवस्था सुचारू बनी रहती है। सौर ऊर्जा से संचालित यह बतोंते हुए कहा कि पहले रात के समय अंधेरे के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब पूरा परिसर रोशन रहता है

स्थापित हाई मास्ट आसपास के लगभग 50 मीटर तक के क्षेत्र को प्रकाशमान करता है इससे आश्रम परिसर में अंधेरे की समस्या काफी हद तक दूर हुई है। अब छात्राएं शाम और रात के समय भी आश्रम परिसर में सुरक्षित महसूस करती हैं। परिसर में पर्याप्त रोशनी होने से आवागमन सुगम हुआ है और छात्राओं के मन में सुरक्षा की भावना भी मजबूत हुई है बेटीयों के चेहरे पर आई सुरक्षा की मुस्कान आश्रम की अधीक्षिका एवं छात्राओं ने सोलर हाई मास्ट की स्थापना को उपयोगी और सराहनीय पहल बताया है कहा कि पहले रात के समय अंधेरे के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब पूरा परिसर रोशन रहता है

स्थापित हाई मास्ट आसपास के लगभग 50 मीटर तक के क्षेत्र को प्रकाशमान करता है इससे आश्रम परिसर में अंधेरे की समस्या काफी हद तक दूर हुई है। अब छात्राएं शाम और रात के समय भी आश्रम परिसर में सुरक्षित महसूस करती हैं। परिसर में पर्याप्त रोशनी होने से आवागमन सुगम हुआ है और छात्राओं के मन में सुरक्षा की भावना भी मजबूत हुई है बेटीयों के चेहरे पर आई सुरक्षा की मुस्कान आश्रम की अधीक्षिका एवं छात्राओं ने सोलर हाई मास्ट की स्थापना को उपयोगी और सराहनीय पहल बताया है कहा कि पहले रात के समय अंधेरे के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब पूरा परिसर रोशन रहता है

आर बिजली बाधित होने पर भी प्रकाश व्यवस्था प्रभावित नहीं होती छात्राओं के लिए यह सुविधा उनकी पढ़ाई आवागमन और दैनिक गतिविधियों को अधिक सहज बनाने के साथ सुरक्षा का भरोसा भी दे रही है यह पहल स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ दूरस्थ क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार का उत्कृष्ट उदाहरण है जिला प्रशासन और क्रेडा के समन्वित प्रयासों से सोलर ऊर्जा के माध्यम से बड़वाही के आदिवासी कन्या आश्रम में रोशनी पहुंची है यह सिर्फ एक हाई मास्ट की स्थापना नहीं बल्कि दूरस्थ क्षेत्र की बेटीयों के जीवन में सुरक्षा, सुविधा और आत्मविश्वास की नई रोशनी का संचार है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ कार्रवाई, जल्त



मीडिया ऑडीटर,उमरावगंज (निप्र)। अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने चलाए जा रहे अभियान के तहत उमरावगंज पुलिस ने कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर ग्राम रसौलिया निवासी राजू सरियाम के कब्जे से करीब 8 लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब जल्त की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। कार्रवाई के बाद अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

सीहोर के बुधनी में खड़ी ट्रॉली से टकराई बाइक

युवक गंभीर घायल, रिप्लेक्टर नहीं हेलने से अंधेरे में नहीं दिखी ट्रॉली



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के बुधनी तहसील में जीवनतला जोड़ के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली से बाइक सवार युवक टकरा गया। हादसे में सनखेड़ी निवासी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों और राहगीरों ने घायल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।
ट्रॉली पर नहीं था रिप्लेक्टर या संकेतक: जानकारी के अनुसार, सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली पर न तो रिप्लेक्टर लगा था और न ही कोई संकेतक बोर्ड था। अंधेरा होने के कारण बाइक चालक को ट्रॉली समय रहते दिखाई नहीं दी। सामान्य गति से जा रहा बाइक सवार सीधे ट्रॉली से जा टकराया।

टक्कर के बाद सड़क पर गिरा युवक: टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

सड़क किनारे खड़े भारी वाहन बन रहे खतरा: स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना सुरक्षा संकेतक के सड़क किनारे खड़े भारी वाहन राहगीरों के लिए खतरा बन रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने और सड़क किनारे खड़े वाहनों पर रिप्लेक्टर व संकेतक अनिवार्य रूप से लगाने की मांग की है।

गांव-ढाबों पर दबिश, 33 लीटर अवैध शराब मिली

दो महिला समेत चार को थाने से जमानत, एसपी बोले- नहीं बिकने देंगे अवैध शराब



मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खंडवा सिटी कोतवाली पुलिस ने सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चार प्रकरण दर्ज किए। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों को अवैध शराब के साथ पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से 33 लीटर अवैध शराब जल्त की। आरोपियों को थाने से नोटिस पर छोड़ दिया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में की गई। एसपी जैन ने बताया कि, अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कोतवाली पुलिस की टीम ने एक ढाबे सहित ग्राम बेड़ियाव, टिगरिया और लोहारी नाका क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपियों के पास हाथभट्टी से तैयार कच्ची महुआ शराब मिली, जबकि एक आरोपी के कब्जे से देशी प्लेन शराब के क्वार्टर बरामद किए गए।

30 लीटर कच्ची महुआ शराब मिली: टीआई प्रवीण आर्य ने बताया कि जल्त शराब में 30 लीटर हाथभट्टी की कच्ची महुआ शराब शामिल है। इसे तीन प्लास्टिक डिब्बों और पाउच में रखा गया था। इसके अलावा 18 क्वार्टर देशी प्लेन शराब, जिसकी मात्रा 3.240 बल्क लीटर बताई गई है, उसे भी जल्त किया गया है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मारा

रतलाम में पांच दिन पहले नाले में औंधे मुंह मिला था शव, राखी से पहले ही रची थी हत्या की साजिश

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में सरवन थाना क्षेत्र के ग्राम बोरदा में पांच दिन पहले मिले 32 वर्षीय युवक के शव का मामला हत्या का निकला है। पुलिस जांच में सामने आया कि पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की थी। पत्नी ने सोते समय पति पर कुल्हाड़ी से वार किया, जबकि प्रेमी ने उसके पैर बांध दिए। इसके बाद प्रेमी ने अपने दोस्त की मदद से शव को घर से करीब 50 मीटर दूर नाले में फेंक दिया। पुलिस ने मामले में मृतक की पत्नी ललिता, उसके प्रेमी राकेश और प्रेमी के दोस्त भूरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 2 लाख रुपए की मश्रुका भी जल्त की है।

2 सितंबर को नाले में मिला था शव: 2 सितंबर को सरवन थाना क्षेत्र की बेड़दा चौकी के ग्राम बोरदा में एक युवक का शव मिला था। मृतक की पहचान भीमा पिता मनोहर चरपोटा निवासी बोरदा के रूप में हुई थी। प्रारंभिक जांच में युवक के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किए जाने की आशंका सामने आई थी। शव मिलने से पहले मृतक की पत्नी ललिता गायब हो गई थी, जिसके चलते पुलिस



का शक उस पर गया।

पुलिस ने दो दिन पहले ललिता को तलाश कर गिरफ्तार किया। कोर्ट से रिमांड लेकर पूछताछ की गई तो उसने हत्या की पूरी कहानी पुलिस को बता दी। इसके बाद पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया।

एक महीने पहले पति को पता चला था

प्रेम संबंध: पुलिस के अनुसार, ललिता के करीब एक महीने पहले राकेश के साथ प्रेम संबंध बने थे। इसकी जानकारी भीमा को हो गई थी। पति के सामने संबंध उजागर होने के बाद ललिता और उसका प्रेमी डर गए थे। इसके बाद दोनों ने भीमा की हत्या की योजना बनाई।

इटारसी में अवैध शराब पर आबकारी की दबिश

5 इलाकों में 550 किलो महुआ लाहन, 40 लीटर शराब जल्त, 8 केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। सागर में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों और कई लोगों के बीमार होने की खबरों के बाद प्रदेशभर में प्रशासन अलर्ट पर है। इसी के चलते नर्मदापुरम जिले में भी अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को इटारसी शहर के अलग-अलग इलाकों में विभाग ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के आदेश और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आबकारी विभाग की टीम ने इटारसी शहर के नाला मोहल्ला, सूरजगंज, बालाजी मंदिर क्षेत्र, मेहरा गांव और गरीबी लाइन में दबिश दी।

कहां से कितनी जब्ती: इस कार्रवाई के दौरान टीम ने मध्य प्रदेश आबकारी



अधिनियम, 1915 के तहत कुल 8 मामले दर्ज किए। अलग-अलग जगहों से करीब 550 किलोग्राम महुआ लाहन और

40 लीटर हाथभट्टी शराब जल्त की गई। जल्त की गई सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 63 हजार रुपए है।

खरगोन के कसरावद-गोगांवा में डेढ़-डेढ़ इंच बारिश

कपास की चुनाई पर संकट, जिले में अब तक 26.1 इंच पानी



मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में सोमवार रात हल्की से तेज बारिश का दौर जारी रहा। कसरावद और गोगांवा में रुक-रुककर करीब डेढ़-डेढ़ इंच बारिश हुई। खरगोन और महेश्वर में भी आधे इंच से अधिक पानी बरसा। बारिश से कपास की चुनाई प्रभावित होने के साथ सोयाबीन की फसल को भी नुकसान की आशंका है।

कपास में नमी से क्वालिटी खराब

होने की आशंका: किसान महेश यादव और बद्रीलाल यादव ने बताया कि खेतों में कपास की चुनाई की तैयारी चल रही है। ऐसे में तेज बारिश होने से कपास में नमी आ जाएगी। इससे चुनाई प्रभावित होने के साथ कपास की गुणवत्ता खराब होने की आशंका है।

कसरावद में 36, गोगांवा में 37 मिमी बारिश: भू-अभिलेख कार्यालय के

अनुसार, कसरावद में 36 मिमी, गोगांवा में 37 मिमी, महेश्वर में 19 मिमी, खरगोन में 12 मिमी और भगवानपुरा में 10 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिले में अब तक कुल 26.1 इंच बारिश हो चुकी है, जो औसत से करीब 5 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में 25.7 इंच बारिश हुई थी। हालांकि, जिले के सालाना औसत 32.6 इंच के मुकाबले अभी भी करीब 6.5 इंच बारिश कम है।

तापमान 30 डिग्री से नीचे, उमस से राहत: पिछले एक सप्ताह से बादल और बारिश के कारण दिन के तापमान में करीब 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे बना हुआ है। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है।

अगले चार दिन बारिश के आसार: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले चार दिनों तक प्रदेश के पश्चिमी हिस्से के साथ खरगोन में भी बादल और बारिश वाला मौसम बने रहने की संभावना है। इससे खेतों में तैयार हो रही फसलों पर मौसम का असर जारी रहने की आशंका है।

आबकारी विभाग की इस कार्रवाई में वृत्त प्रभारी और सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार, आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पडरिया और आर.पी. निमोदा शामिल थे। इनके साथ प्रधान आबकारी आरक्षक दुर्गाप्रसाद मांझी, मदन रघुवंशी और राजेश गौर भी मौजूद थे। आबकारी आरक्षक धर्मेन्द्र बारगे और दुर्गेश पठारिया के साथ महिला आबकारी आरक्षक भावना यादव और माया पांडेयल ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया।

संदिग्ध क्षेत्रों में जारी निगरानी: जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। विभाग की टीम संदिग्ध इलाकों पर नजर रख रही है और आने वाले दिनों में भी ऐसी ही कार्रवाई की जाएगी। आबकारी विभाग की इस सख्ती से अवैध शराब कारोबारियों पर दबाव बढ़ा है।

बुरहानपुर में अवैध शराब पर पुलिस-प्रशासन की दबिश

जैनाबाद-बलवार टेकरी से 215 लीटर कच्ची शराब और 3300 किलो महुआ लहान जल्त

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। सागर में हुए शराब कांड के बाद बुरहानपुर जिला प्रशासन और पुलिस सख्त हो गई है। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देश पर एक टीम ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया। मंगलवार सुबह शहर से सटे जैनाबाद, बलवार टेकरी और आहूखाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। इस दौरान टीम ने 215 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब और 3300 किलोग्राम महुआ लहान जल्त किया। आबकारी एक्ट के तहत 10 मामले दर्ज किए गए। जल्त की गई शराब और महुआ लहान की कीमत करीब 3.80 लाख रुपए बताई जा रही है।

देखें कार्रवाई के दौरान की तस्वीरें: छापेमारी टीम में एसडीएम पल्लवी पुराणिक, सीएसपी विनोद सिंह कुशवाह, सहायक आबकारी अधिकारी मुकेश गौर और शिकारपुरा थाना प्रभारी संदीप चौरसिया शामिल थे। इनके साथ



नायब तहसीलदार रजनीश उपाध्याय, आबकारी उपनिरीक्षक शेर सिंह मोरे और केतन भाबर् भी मौजूद थे।

जैनाबाद, बलवार टेकरी और आहूखाना क्षेत्र के कुछ घरों, जमीन के अंदर और झाड़ियों के बीच प्लास्टिक की कैन में महुआ लहान छिपाकर रखा गया था। पुलिस टीम ने मौके पर ही इसे

खत्म कर दिया। खाली कैन एक पिकअप में भरकर थाने ले जाया गया।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी मुकेश गौर ने बताया कि सामान की घटना को देखते हुए जिले में सतर्कता के तौर पर यह कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

रेलवे ग्रुप-D परीक्षा में बिहार का फर्जी अभ्यर्थी गिरफ्तार

रतलाम में रेटिना मैचिंग टेस्ट में पकड़ा गया, फिजिकल टैड में ठी हुआ था शामिल

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम में रेलवे ग्रुप-ष्ठ (लेवल-वन) की भरती के लिए रेलवे ग्रांड पर चल रहे फिजिकल एफिशियेंसी टेस्ट (PET) में बिहार का एक फर्जी अभ्यर्थी पकड़ा गया। रेटिना मैचिंग के दौरान उसकी पहचान हो गई। जांच में सामने आया कि आरोपी 2 सितंबर को भी इसी ग्रांड पर एक अन्य अभ्यर्थी की जगह फिजिकल टेस्ट दे चुका था। रेलवे भरती प्रकोष्ठ पश्चिम रेलवे मुंबई के कार्यालय अधीक्षक राजेश्वर तिवारी की शिकायत पर जीआरपी थाना रतलाम ने फर्जी अभ्यर्थी अजीत कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज पेश करने का केस दर्ज किया है। मामले में अभ्यर्थी निरंजन कुमार और कुंदन कुमार के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है।

रेटिना मैचिंग में पकड़ा गया: रविवार सुबह करीब 6 बजे रेलवे ग्रांड पर PET चल रहा था। बिहार के मुंगेर जिले के रतनख गांव निवासी अजीत कुमार (26) पिता दिनेश कुमार कुशवाह फिजिकल टेस्ट देने पहुंचा था।



रेटिना मैचिंग के दौरान कर्मचारियों को पता चला कि वह पहले भी टेस्ट दे चुका है। इस पर रेलवे कर्मचारियों ने अजीत को

तत्काल पकड़ लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। पूछताछ में फर्जी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देने की बात सामने आई।

► 2 सितंबर को निरंजन की जगह दौड़ा था

जांच में पता चला कि अजीत कुमार 2 सितंबर को भी रेलवे ग्रांड पर फिजिकल टेस्ट दे चुका था। उस दिन उसने बिहार के मुंगेर निवासी अभ्यर्थी निरंजन कुमार की जगह दौड़ लगाई थी। हालांकि उस टेस्ट में वह अयोग्य पाया गया था। इसके बाद रविवार को अजीत एक अन्य अभ्यर्थी कुंदन कुमार की जगह PET देने पहुंचा। इस बार रेटिना मैचिंग के दौरान उसकी पहचान हो गई।

► निरंजन और कुंदन के खिलाफ भी केस

जीआरपी ने निरंजन कुमार निवासी धनपुरा, जिला मुंगेर और कुंदन कुमार निवासी शंभूपुरा, जिला मुंगेर के खिलाफ भी धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। दोनों अभ्यर्थियों की जगह फर्जी अभ्यर्थी अजीत कुमार PET देने पहुंचा था। जीआरपी ने अजीत कुमार और निरंजन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं कुंदन कुमार रतलाम में परीक्षा देने नहीं आया था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

► रैकेट में शामिल अन्य लोगों से होगी पूछताछ

चौकी प्रभारी रामपाल इवने ने बताया कि गिरफ्तार अजीत कुमार और निरंजन कुमार को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस रिमांड लेकर दोनों से पूछताछ करेगी। पूछताछ में फर्जी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने वाले इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया



मोकी, चीन एजेंसी। कसान अनमोल एक्का के दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को मोकी, चीन में दक्षिण कोरिया को 7-3 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ मौजूदा चैंपियन भारत ने जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। भारत ने टूर्नामेंट में अब तक तीन मैच खेले हैं, जिसमें उसे दो जीत और एक ड्रॉ मिला है।

उसके खाते में 7 अंक हैं। भारत बुधवार को अपने आखिरी पूल मैच में चीनी तापे का सामना करेगा। इस मुकाबले में जीत हासिल करते ही भारतीय टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगी।

पहले तीन क्वार्टर में काटे की टक्कर- दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पांचवें मिनट में कसान अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत

को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में दोग्गोन चोई के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 18वें मिनट में लव नूर सिंह ने मैदानी गोल कर भारत को फिर आगे कर दिया।

कोरियाई टीम ने एक बार फिर तुरंत जवाब दिया। ह्योगुक यू ने अगले 60 सेकंड के भीतर पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। 20वें मिनट में अजीत

यादव ने गोल कर भारत को हाफ टाइम तक 3-2 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भी बराबरी-दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में भी मुकाबले में वापसी की। क्वार्टर के छठे मिनट में ह्योगुक यू ने अपना दूसरा गोल करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया। भारत ने इसके बाद दबाव बढ़ाया और तीसरे क्वार्टर के 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह ने गोल करके भारतीय टीम को फिर 4-3 से आगे कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में भारत का तूफानी खेल-चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। भारत ने केवल तीन मिनट के अंतराल में तीन गोल दागकर दक्षिण कोरिया की वापसी की सारी उम्मीदें खत्म कर दीं। 55वें मिनट में गुरसेवक सिंह ने भारत के लिए पांचवां गोल किया।

इसके ठीक एक मिनट बाद कसान अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल दाग दिया और भारत की बढ़त 6-3 हो गई।

इसके बाद 58वें मिनट में आर्यन जेस ने भारत की ओर से सातवां गोल किया। इस तरह भारतीय टीम ने मुकाबला 7-3 से अपने नाम कर लिया।

अनमोल एक्का का शानदार प्रदर्शन- कसान अनमोल एक्का ने एक बार फिर अपनी गोल करने की क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के खिलाफ दो गोल किए। इसके साथ ही टूर्नामेंट में उनके कुल गोलों की संख्या 8 हो गई है।

अजहर अली ने पाकिस्तान क्रिकेट में मची उथल-पुथल की आलोचना की, सेलेक्टर आकिब जावेद पर उठाए सवाल



नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली ने राष्ट्रीय टीम में मची उथल-पुथल पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट ने वह 'अनप्रिडिक्टैबिलिटी' (अप्रत्याशितता) भी खो दी है जो कभी उसकी पहचान हुआ करती थी और अब वह सबसे बुरे तरीके से 'कॉन्सिस्टेंट' (लगातार एक जैसा प्रदर्शन करने वाला) हो गया है। उनकी यह टिप्पणी इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान के चल रहे टेस्ट दौर के दौरान हैडिले और लॉर्ड्स में मिली करारी हार के बाद किए गए बड़े बदलावों के बाद आई है। हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को हटा दिया गया, जबकि 7 खिलाड़ियों को घर वापस भेज दिया गया। इन फैसलों की आलोचना हुई, शाहिद अफरीदी ने इन्हें 'अब तक का सबसे चौकाने वाला फैसला' बताया और मिसबाह-उल-हक ने विरोध में सेलेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया। अजहर ने 'द गार्डियन' से कहा, 'लोग कहते थे कि आप पाकिस्तान से कुछ भी उम्मीद कर सकते हैं - कि कोई भी टीम किसी भी दिन मैदान पर उतरकर या तो 46 रन पर ऑल आउट हो सकती है या फिर ऐसी स्थिति से जीत सकती है जिसकी किसी को उम्मीद न हो। लेकिन अब हम वह 'इनकॉन्सिस्टेंसी' (अनियमितता) भी नहीं दिखाते। हम पूरी तरह से 'कॉन्सिस्टेंट' हो गए हैं - लेकिन सबसे नकारात्मक तरीके से।' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान में क्रिकेट को सही देखभाल और एक ऐसे विजन की जरूरत है जो उस देश को उम्मीद दे सके जो क्रिकेट में अपनी दिलचस्पी खोने की कगार पर है। अगर हमने खुद को नहीं सुधारा, तो हम लोगों को वापस नहीं ला पाएंगे। आप उम्मीद नहीं छोड़ सकते, लेकिन संकेत अच्छे नहीं हैं।' अजहर ने हाई परफॉर्मंस डायरेक्टर और सीनियर सेलेक्टर आकिब जावेद की भी आलोचना की और उन पर टीम के प्रदर्शन की जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पिछले तीन सालों से ऐसे ही खराब फैसले लिए जा रहे हैं। उन्हें प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उनके फैसलों पर सवाल उठने चाहिए। मैंने इस हफ्ते उनका इंटरव्यू सुना और वह सरफराज और बाबर पर दोष मढ़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने ही कुछ महीने पहले उन्हें नियुक्त किया था! किसी को परखने के लिए मेरे लिए इतना ही काफी था। उनके हर फैसले का उल्टा असर होता है और फिर वह कहते हैं: 'यह मेरी गलती नहीं है।' पहले खुद को तो देखिए। और अगर आप इस टीम को संभाल नहीं सकते, अगर आप पाकिस्तान क्रिकेट में कोई बदलाव नहीं ला सकते, तो हट जाइए।' अजहर ने कप्तान बाबर आजम के प्रति भी सहानुभूति जताई और कहा कि इस अस्थिरता ने उनके काम को बेहद मुश्किल बना दिया है। उन्होंने कहा, 'शायद अभी पाकिस्तान की कप्तानी करने का सबसे बुरा समय है। मुझे लगता है कि उन्हें अपने विकल्पों पर भी विचार करना चाहिए। हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा दौर आता है जब वे कम स्कोर बनाते हैं, लेकिन एक देश के तौर पर हम उनसे लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते रहे और फिर उनकी आलोचना भी हुई।' उन्होंने कहा, 'इस बात का उनके दिमाग पर असर पड़ा है और उन्हें खुद पर शक होने लगा है, जबकि उन्हें अंदर से कोई खास सपोर्ट भी नहीं मिला।

भारत का पूरा शेड्यूल आया सामने, इन स्टार खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें



कॉमनवेल्थ गेम्स के कई पदक विजेता खिलाड़ी शामिल हैं।
एशियन गेम्स 2026 में भारत की शुरुआत कब-भारत का अभियान 17 सितंबर से शुरू होगा। शुरुआती मुकाबलों में तेकबॉल के साथ महिला क्रिकेट भी अहम रहेगा। भारत की महिला क्रिकेट टीम 18 सितंबर को जापान के खिलाफ क्वार्टर

भारतीय स्टार ऑलराउंडर छठे नंबर पर पहुंचीं

चरणी का नंबर-1 ताज बरकरार



नई दिल्ली एजेंसी। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को Asia Cup 2026 में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। ताजा महिला T20I गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति ने दो पायदान की छलांग लगाते हुए छठ स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, उनकी भारतीय साथी चरणी ने नंबर-1 की अपनी स्थिति बरकरार रखी है। एशिया कप में दीप्ति का शानदार प्रदर्शन दीप्ति शर्मा मौजूदा Asia Cup में शानदार फॉर्म में चल रही हैं। उन्होंने अब तक तीन मुकाबलों में 8 विकेट अपने नाम किए हैं और भारत को टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का असर ताजा T20I गेंदबाजी रैंकिंग में भी देखने को मिला। दाएं हाथ की स्पिनर दीप्ति ने दो स्थान की छलांग लगाकर छठ नंबर हासिल किया है। चरणी अब भी नंबर-1 चरणी ने महिला T20I गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना नंबर-1 स्थान बरकरार रखा है। इस तरह भारत की दो गेंदबाज शीर्ष दो स्थानों पर नहीं, बल्कि नंबर-1 और नंबर-6 पर हैं। दीप्ति शर्मा इससे पहले पिछले साल दिसंबर में T20I गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर चुकी हैं। अब वह चरणी से सिर्फ 60 रेटिंग अंक पीछे हैं। चरणी और दीप्ति के

बीच रैंकिंग में सोफी एक्लेस्टोन, चार्ली डीन, नोंकुलुलेको म्लाबा और लॉरेन बेल मौजूद हैं। इन गेंदबाजों को भी हुआ फायदा एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली कई अन्य गेंदबाजों को भी ताजा T20I रैंकिंग में फायदा हुआ है। बांग्लादेश की मारुफा अख्तर ने 19 पायदान की बड़ी छलांग लगाई और अब वह 18वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, चमारी अटपट्टू पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 28वें नंबर पर पहुंच गई हैं। बांग्लादेश की सुल्ताना खातून ने भी नौ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 37वां स्थान हासिल किया है।

कप्तान के तौर पर गिल और पंड्या में कितना फर्क? आशीष नेहरा ने बताया दोनों में अंतर

नई दिल्ली एजेंसी। गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा ने शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की कप्तानी के अंदाज की तुलना करते हुए दोनों के व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली में बड़ा अंतर बताया है। नेहरा के मुताबिक, पंड्या उन पर पूरी तरह भरोसा करते थे और किसी भी मुद्दे पर खुलकर बातचीत करते थे, जबकि गिल शांत, रिजर्व और कम बोलने वाले कप्तान हैं। हालांकि, नेहरा का मानना है कि गिल अभी कप्तानी के मामले में सीखने के दौर में हैं और अनुभव के साथ उनमें और निखार आएगा।

पंड्या और गिल की कप्तानी में जमीन-आसमान का अंतर-क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (CAB) के अवॉर्ड समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर पहुंचे आशीष नेहरा से जब हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल की कप्तानी की तुलना करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने दोनों को एक-दूसरे से बिल्कुल अलग बताया। नेहरा ने कहा, 'दोनों की कप्तानी में उतना ही अंतर है, जितना नॉर्थ पोल और साउथ पोल में होता है।'

उन्होंने बताया कि पंड्या उन पर पूरा भरोसा करते थे। अगर किसी चीज को लेकर उन्हें लगता



था कि वह सही नहीं हो रही है, तो वह सवाल पूछने और उस पर चर्चा करने से पीछे नहीं हटते थे।
'पंड्या को मुझ पर पूरा भरोसा था'-हार्दिक पंड्या के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए नेहरा ने कहा, 'पंड्या को मुझ पर पूरा भरोसा था।' उन्होंने आगे बताया, 'वह हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। अगर कोई चीज सही नहीं होती थी, तो वह उसके बारे में बात करते थे।'

'नेहरा के मुताबिक, पंड्या ऐसे कप्तान थे, जिनके साथ कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत की जा सकती थी। कोच और कप्तान के बीच यह संवाद उनके नेतृत्व के तरीके का अहम हिस्सा था।

गिल शांत और रिजर्व कप्तान हैं-वहीं, शुभमन गिल की कप्तानी शैली के बारे में नेहरा ने कहा कि वह पंड्या की तुलना में

ज्यादा शांत और रिजर्व हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि यह कोई कमी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व होता है। नेहरा ने बताया कि गिल पंड्या की तरह ज्यादा बातचीत नहीं करते, लेकिन जब भी बात करते हैं तो सीधे मुद्दे पर रहते हैं। वह चीजों को ध्यान से देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं।

'गिल अभी वर्क इन प्रोग्रेस हैं'-शुभमन गिल की कप्तानी को लेकर नेहरा ने कहा कि वह अभी सीखने के दौर में हैं। उन्होंने कहा, 'गिल अभी वर्क इन प्रोग्रेस हैं।' नेहरा ने गिल की उम्र और उनके कप्तानी अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि वह अभी सिर्फ 26-27 साल के हैं और उन्होंने लंबे समय तक कप्तानी नहीं की है। उनके पास कप्तानी का अनुभव भी अभी सीमित है।

ऐतिहासिक T20I के लिए जापान टीम का ऐलान, 30 वर्षीय खिलाड़ी को मिली कप्तानी

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक T20I मुकाबले से कुछ सप्ताह पहले जापान क्रिकेट एसोसिएशन (JCA) ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 22 सितंबर को सानो में खेला जाएगा। जापान की कप्तान 30 वर्षीय केंडेल कडेवाकी-फ्लेमिंग संभालेंगे, जो टीम के सबसे अनुभवी और सफल बल्लेबाजों में शामिल हैं।

22 सितंबर को भारत से भिड़ेगा जापान और भारत के बीच यह मुकाबला सुजुकी कप का हिस्सा होगा। भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं और टीम के 19 सितंबर को सानो पहुंचने की उम्मीद है। यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए भी अहम होगा, क्योंकि इससे उसे परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का मौका मिलेगा। एशियन गेम्स के 12 खिलाड़ी जापान की



टीम में सुजुकी कप के लिए घोषित जापान की टीम में एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने वाले 12 खिलाड़ी शामिल हैं। इसके अलावा जापान, एक कुसुडा-नैन और एलेस्टर कडेवाकी-फ्लेमिंग-को भी भारत के खिलाफ मुकाबले के लिए टीम में जगह मिली है। केंडेल कडेवाकी-फ्लेमिंग के हाथों में कप्तानी कडेवाकी-फ्लेमिंग जापान के सबसे प्रमुख

T20I बल्लेबाज हैं। उन्होंने 55 T20I मैचों में 1,871 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 38.18 और स्ट्राइक रेट 139.41 है। उनके नाम 2 शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। वह T20I क्रिकेट में 1,000 रन पूरे करने वाले सबसे तेज खिलाड़ियों में भी शामिल हैं। भारत के खिलाफ मुकाबले में उनकी बल्लेबाजी जापान के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक होगी।

बारिश के दौरान डैमेज हुई शासकीय संपत्तियों को रिस्टोर किया जाए : कमिश्नर

100 दिवस से अधिक की सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र) । रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गत दिनों हुई लगातार बारिश के दौरान जो शासकीय संपत्ति डैमेज हुई है, सभी संबंधित विभाग प्रमुख अपनी शासकीय संपत्तियों को हुए नुकसान का आकलन करें और सभी शासकीय संपत्तियों एवं भवनों को पुनः रिस्टोर करें इसके लिए व्यापक स्तर पर प्लान बनाकर मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दें कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे

बारिश के दौरान खराब हुई सड़कों एवं सड़कों पर बने गड्ढों को तत्काल ठीक करने का कार्य प्रारंभ कर दें उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए की बारिश के दौरान विद्युत लाइन में हुए लॉस, जो ट्रांसफार्मर और डीपी डिस्टर्ब हुए हैं उन्हें तत्काल ठीक कर विद्युत बहाली सुचारू रूप से संचालित करें कमिश्नर ने संयुक्त संचालक स्वास्थ्य को निर्देश दिए कि वह अपनी टीम के माध्यम से घर-घर जाकर बीमारियों से प्रभावित व्यक्तियों को दवाइयों का वितरण कर उनका उपचार करना सुनिश्चित करें कमिश्नर ने लोक

स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह ग्रामीण क्षेत्र में आम जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएं इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए की नल-जल योजनाओं पर कब्जा करने वाले कब्जाधारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराकर पुलिस के सहयोग से अवैध कब्जा प्राथमिकता से हटाने की कार्रवाई करें कमिश्नर ने पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह बारिश एवं बाद के दौरान मृत हुए पशुओं का डिस्पोजल करते हुए संबंधित क्षेत्र में दवाइयों का छिड़काव अनिवार्य रूप से करें उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह बारिश के दौरान जो छोटे-छोटे डैम डैमेज हुए हैं उसकी समीक्षा और मरम्मत करते हुए उन सभी को पुनः पुराने स्वरूप में लाएं कमिश्नर ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपनी शासकीय परिसंपत्तियों पर हुए

अतिक्रमण को पुलिस विभाग के सहयोग से तत्काल हटाना सुनिश्चित करें एवं कब्जाधारियों के विरुद्ध अनिवार्य रूप से एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करें। कमिश्नर ने 100 दिवस से अधिक की सीएम हेल्पलाइन की सभी शिकायतों का आगामी एक सप्ताह में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान कमिश्नर ने महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, खाद्य विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, श्रम विभाग, विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपनी 100 दिवस से अधिक की शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें कमिश्नर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही एवं देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी चिकित्सालयों में चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ अपनी निर्धारित ड्यूटी नियम एवं ईमानदारी से करना सुनिश्चित करें यदि कोई चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टाफ नियम विरुद्ध ड्यूटी

से अनुपस्थित पाया जाएगा तो उनके विरुद्ध प्रभावशील कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि चिकित्सालय में इलाज कराने आए मरीज के एक अटेंडर को ही रहने की अनुमति दी जाएगी। कमिश्नर ने स्कूल शिक्षा विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जिलों में नीट एवं जेईई के प्रश्न बैंक बनवाएं ताकि विद्यार्थी इसका लाभ उठा सके उन्होंने संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा को निर्देश दिए की सभी महाविद्यालय एवं विकासखंड में स्थित महाविद्यालयों में यूपीएससी एवं एमपीपीएससी की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित करते रहें एवं विद्यार्थियों को विषय से संबंधित सभी पाठ्यक्रम एवं सिलेबस उपलब्ध कराया जाए कमिश्नर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविर में सभी प्रकरणों का निराकरण करना सुनिश्चित करें।

ग्रीन बेल्ट में बने स्थाई स्ट्रक्चर पर होगी कार्रवाई, सर्वे के बाद जारी होंगे नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र) । शहर के ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में नियमों के विपरीत निर्मित स्थाई स्ट्रक्चर को लेकर नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है निगम आयुक्त अश्वत जैन ने ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में निर्मित स्ट्रक्चर की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। सर्वे के आधार पर 50 मीटर के दायरे में आने वाले सभी स्थाई स्ट्रक्चर को नियमानुसार नोटिस जारी किए जाएंगे निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि सर्वे का कार्य समय-सीमा में पूरा कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। सर्वे में नियमों के विपरीत निर्माण पाए जाने पर संबंधित मामलों में नियमानुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम द्वारा ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में निर्माण संबंधी नियमों के पालन को लेकर अब निगरानी बढ़ाई जाएगी भवन अनुज्ञा की प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए आयुक्त ने बिल्डिंग इंस्पेक्टर एवं बिल्डिंग ऑफिसर की विशेष ट्रेनिंग आयोजित करने के निर्देश भी दिए प्रशिक्षण में मास्टर प्लान, भूमि विकास नियम तथा भवन

अनुज्ञा से जुड़े प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भवन अनुज्ञापत्र निर्धारित नियमों का पालन करते हुए जारी हों और भविष्य में निर्माण स्वीकृति को लेकर अनावश्यक विवाद या समस्या की स्थिति न बने आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के बाद भवन अनुज्ञा प्रक्रिया में एकरूपता लाई जाए और नियमानुसार प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए इससे आवेदकों को भी अनावश्यक विवेक से राहत मिल सकेगी उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिल्डिंग इंस्पेक्टर मौके पर उपस्थित होकर स्थल निरीक्षण करें और निरीक्षण रिपोर्ट को संबंधित प्रकरण में अनिवार्य रूप से संलग्न करें नियमों की अनदेखी कर भवन अनुज्ञा जारी करने या कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि ग्रीन बेल्ट और भवन अनुज्ञा से जुड़े नियमों के पालन में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समान धाने के पुलिसकर्मी पर नशे में घर में घुसकर मारपीट का आरोप

17 वर्षीय किशोरी ने एसपी से की शिकायत, पुलिसकर्मी और साथियों पर अभद्र व्यवहार व धमकी देने के लगाए आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र) । समान थाना क्षेत्र में एक 17 वर्षीय किशोरी ने थाना के एक पुलिसकर्मी और उसके साथ आए लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए रीवा पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़िता ने आवेदन में आरोप लगाया है कि 7 सितंबर की शाम पुलिसकर्मी रवि दुवे सहित एक-दो अन्य लोग कथित रूप से नशे की हालत में उसके घर पहुंचे और जबर्न अंदर प्रवेश कर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया शिकायत के अनुसार घटना के समय किशोरी अपने माता-पिता के साथ घर पर थी, जबकि उसके पिता किसी काम से गांव गए हुए थे पीड़िता का आरोप है कि पुलिसकर्मी और उसके साथ



आए लोगों ने घर में घुसने के बाद उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया उसकी मां ने विरोध किया तो उनके साथ भी कथित रूप से गाली-गलौज और मारपीट की गई शिकायत में मोबाइल फोन ले जाने का आरोप भी लगाया गया है पीड़िता ने एसपी को दिए आवेदन में यह

भी आरोप लगाया है कि संबंधित पुलिसकर्मी और उसके साथी पूर्व में भी उसे तथा उसके परिवार को परेशान करते रहे हैं। शिकायत में कथित रूप से धमकी दिए जाने की बात भी कही गई है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग

की है मामले को लेकर अब पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि यदि पुलिसकर्मी पर लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो उसके खिलाफ विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए फिलहाल शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है पुलिस की जांच और संबंधित पुलिसकर्मी का पक्ष सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी पीड़िता ने मांग की है कि उसे और उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

आमरण अनशन पर बैठे परिजनों से मिले कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक गुरुकरणा सिंह

स्वास्थ्य परीक्षण कराने का किया अनुरोध, दिया निष्पक्ष जांच का भरोसा



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र) । संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान कल्पना मिश्रा की हुई दुखद मौत के मामले में दोषी डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सिरमौर चौराहे पर आमरण अनशन पर बैठे मृतका के पिता राम शिरोमणि मिश्रा से मिलने कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक

गुरुकरन सिंह खुद मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने पीड़ित पिता से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उन्हें निष्पक्ष न्याय का पूरा भरोसा दिलाया अनशन स्थल पर पहुंचे कलेक्टर ने राम शिरोमणि मिश्रा के स्वास्थ्य का हाल जाना अनशन स्थल पर पहुंचे कलेक्टर ने राम शिरोमणि मिश्रा के स्वास्थ्य का हाल जाना और उनसे अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने का विनम्र अनुरोध किया कलेक्टर ने कहा कि शासन और प्रशासन को उनके गिरते स्वास्थ्य की पूरी चिंता है पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए उन्होंने कहा कि बेटी कल्पना का असमय जाना अत्यंत दुखद है और सरकार इस कठिन समय में पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है उन्होंने आश्चस्त किया कि पूरे मामले में पारदर्शिता के साथ जांच कराई जा रही है इस दौरान अनशन स्थल पर अन्य वरिष्ठ

प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे गौरतलब है कि बीते 26 अगस्त को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराई गई कल्पना मिश्रा और नवजात की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी परिजनों ने इलाज में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है दोषी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर मृतका के पिता राम शिरोमणि मिश्रा सिरमौर चौराहे पर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं इस प्रकरण में उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर अब तक की गई कार्यवाही में उच्च स्तरीय जाँच समिति का गठन कर मजिस्ट्रीयल जाँच के आदेश दिए गए हैं इसके अलावा आर्थिक सहायता स्वीकृत कराई गई है वहीं अधीक्षक और डीन हटा दिए गए हैं। इसके अलावा दो नर्सिंग ऑफिसर तथा दो चिकित्सक निलंबित किये गए हैं।

स्वास्थ्य व्यवस्था के सवाल पर युवा कांग्रेस का आंदोलन जारी, राजेन्द्र शुक्ल से इस्तीफे की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र) । मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर युवा कांग्रेस द्वारा किए जा रहे आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई पत्रकारों को संबोधित करते हुए इंजीनियर राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर चर्चा करने शीतिपूर्ण तरीके से जा रहे थे, लेकिन पुलिस द्वारा वॉटर कैन्नन का इस्तेमाल कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार से सवाल करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े सवालों का जवाब देने के बजाय पुलिस कार्रवाई के जरिए आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने कहा कि

आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि प्रदेश की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर है उन्होंने रीवा के संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय में प्रसूता कल्पना मिश्रा और उसके नवजात शिशु की मौत का मामला उठाते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए उन्होंने कहा कि मामले में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ पर कार्रवाई अस्पताल अधीक्षक को हटाने तथा मेडिकल कॉलेज के डीन के स्थानांतरण के बाद प्रशासन ने निरीक्षण तेज किया है लेकिन व्यवस्था की जवाबदेही तय होना अभी बाकी है शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सामने आए मामलों का उल्लेख करते हुए स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल से नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग की उन्होंने कहा कि जब तक आंदोलन निर्णायक स्थिति तक नहीं पहुंचता, धरना जारी रहेगा।

स्वास्थ्य व्यवस्था की अर्थी लेकर निकले कांग्रेसी, वाटर कैनन और आंसू गैस के बीच उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के आवास घेरने की कोशिश कॉलेज चौराहा बना रणक्षेत्र, बैरिकेडिंग तोड़ने के प्रयास पर पुलिस से झूमाझटकी; कई कार्यकर्ता हिरासत में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र) । जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में कथित लापरवाही अनियमितताओं और अव्यवस्थाओं के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के आह्वान पर सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता कॉलेज चौराहा स्थित विवेकानंद पार्क में एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था के खिलाफ अनांदा विरोध दर्ज करते हुए उसकी प्रतीकात्मक अर्थी तैयार की और उसे लेकर उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के आवास का घेराव करने के लिए कूच किया प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे।



कांग्रेस कार्यकर्ताओं के आगे बढ़ने पर पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने का प्रयास किया इस दौरान प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे जिसके बाद पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की और झूमाझटकी की स्थिति बन गई कार्यकर्ता सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ लगातार

नारेबाजी करते रहे स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैन्नन का इस्तेमाल किया पानी की तेज बौछारों के बावजूद कई प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए और स्वास्थ्य मंत्री के आवास की ओर बढ़ने का प्रयास करते रहे। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल

अवैध मदिरा केखिलाफ आबकारी की बड़ी कार्रवाई, 5380 किलो महुआ लाहन जब्त 17 प्रकरण दर्ज, 165 लीटर हाथ भट्टी मदिरा और यूपी की 45 पाव शराब बरामद जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 5.66 लाख रुपए

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र) । अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग रीवा ने बड़ी कार्रवाई की है। 17 सितंबर को वृत्त मऊगंज, चाकघाट एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने डिंधिया, चाकघाट के वार्ड क्रमांक 10 मल्लाहटी और ग्राम चन्दई में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 17 प्रकरण दर्ज किए। कार्रवाई के दौरान 5380 किलोग्राम महुआ लाहन, 165 लीटर हाथ भट्टी मदिरा और उत्तर प्रदेश सरकार निर्मित 45 पाव शराब बरामद की गई आबकारी के अनुसार ग्राम डिंधिया में अलग-अलग



रिहायशी मकानों से महुआ लाहन और हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। इसके बाद चाकघाट के वार्ड क्रमांक 10 मल्लाहटी में भी कई मकानों की जांच कर अवैध रूप से रखे महुआ लाहन एवं हाथ भट्टी मदिरा की जब्त किया गया। ग्राम चन्दई में शिवनारायण जायसवाल के रिहायशी मकान

से उत्तर प्रदेश सरकार निर्मित 45 पाव शराब बरामद की गई विभाग के मुताबिक जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 5 लाख 66 हजार 350 रुपए है सभी मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क)(च) के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं सहायक

आबकारी आयुक्त रीवा ने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। विभाग द्वारा अवैध शराब के स्रोत और कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आगे भी अभियान चलाया जाएगा कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी अखिलेश्वर सिंह ठाकुर, अजय श्रीवास्तव सहित आबकारी आरक्षक वेदप्रकाश तिवारी, प्रदीप सिंह, शुभम द्विवेदी, सुमित पयासी, राहुल पाण्डेय, आकांक्षा द्विवेदी, रितु कोरी तथा नगर सैनिक मनोज द्विवेदी और आरती साकेत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।